भाद्रपद कृष्ण पक्ष 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 60 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
05 सितंबर 2026 शनिवार

आज का मौसम
24.3 अधिकतम
23.1 न्यूनतम

Page-7

न्यूज विंडो

विमेंस एशिया कप : भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला आज

नई दिल्ली। विमेंस एशिया कप 2026 में आज भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा। भारत अपने दोनों मुकाबले जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। हरमनप्रीत कौर 150वीं बार टी-20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान उतरेंगी। वे इस मुकाम तक पहुंचने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनेंगी। टीम इंडिया पिछले 4 मैचों से अजेय है। -पेज-7 भी देखें...

मिस वर्ल्ड 2026 का फिनाले आज भारत की ओर से निकिता शामिल

नई दिल्ली। मिस वर्ल्ड 2026 का ग्रैंड फिनाले आज वियतनाम में होगा। इस प्रतियोगिता में निकिता पोरवाल भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। भारत में इस पेजेंट का प्रसारण जियाहॉटस्टार पर होगा। लाइवस्ट्रीम शाम 5:30 बजे से शुरू होगा। फिनाले वियतनाम के न्हा ट्रांग में होगा। ब्यूटी पेजेंट का यह 73वां संस्करण है और यह इस संस्था की 75वीं वर्षगांठ का जश्न है।

केरलम में लॉरी से टकराई कार, 8 की मौत, गाड़ी काटकर निकाले शव

त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात एक कार हाईवे पर खड़ी लॉरी से टकरा गई। हादसे में कार सवार 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 11:40 बजे कैपामंगलम के पनंबिकुन्नू में हुआ। पुलिस ने बताया कि कार तमिलनाडु नंबर की थी और उसमें सवार ज्यादातर लोग डिंडीगुल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शवों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। बताया जा रहा है कि कार गुरुवायुर की तरफ से कोडुंगल्लूर जा रही थी।

बोलीविया के सैन्य अड्डे में धमाका, 10 की मौत, 58 घायल

वॉशिंगटन। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के पश्चिमी शहर वियाचा में एक सैन्य अड्डे पर जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 58 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 10 से 15 के बीच हो सकती है। बोलीविया के रक्षा मंत्री अर्नेस्टो जस्टिनियानो ने बताया कि घायलों में ज्यादातर 52 आम नागरिक हैं, जबकि बाकी सैन्यकर्मी हैं। रक्षा मंत्री के मुताबिक, विस्फोट स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 2:30 बजे उस जगह हुआ, जहां रक्षा मंत्रालय का पटाखों का स्टॉक रखा था। मौके पर एंबुलेंस, मेडिकल टीम और पुलिस को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने विस्फोट की वजह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

आज का कार्टून

सरकारी फाइलों में उलझी जमीन... सालों से जारी है स्थानीय रहवासियों की लड़ाई

सौरभ शर्मा के चार मंजिला स्कूल भवन पर क्यों नहीं चलता प्रशासन का बुलडोजर?

- आरोप - ओपन स्पेस की जमीन स्कूल के लिए आवंटित की
- बिल्डिंग परमीशन निरस्त होने के बाद भी जारी रहा निर्माण

भोपाल

परिवहन विभाग के आरक्षक रहे सौरभ शर्मा की बेहिसाब काली कमाई सामने आने और लगातार चल रही संपत्तियों की जांच के बाद भी शाहपुरा में एक स्कूल की चार मंजिला इमारत खड़ी है। इस स्कूल का निर्माण यही सौरभ शर्मा कर रहा था। इस जमीन के ओपन स्पेस होने को लेकर स्थानीय रहवासी वर्षों से लड़ाई लड़ रहे हैं। उसकी लीज, बिल्डिंग परमिशन और निर्माण की कहानी में सरकारी फाइलें कई असहज सवाल छोड़ती हैं। सवाल है कि इस भवन को करवाई के दायरे में क्यों नहीं लिया गया।

शाहपुरा कॉलोनी का विकास भोपाल विकास प्राधिकरण ने किया था। स्थानीय रहवासियों और उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार जिस जमीन पर आज स्कूल भवन खड़ा है, वह लंबे समय तक कॉलोनी के नक्शे में ओपन स्पेस के रूप में दर्ज रहा। नगर निगम ने यहां पार्क विकसित कराया। पाथ - वे, हाईमास्ट लाइट, बच्चों के झूले और ओपन जिम जैसी सुविधाएं भी विकसित की गईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि 2004 के आसपास इस क्षेत्र में पार्क का क्षेत्रफल एक एकड़ से अधिक था। यहीं से सवाल उठता है - जो जमीन कॉलोनी के खुले क्षेत्र और पार्क के लिए थी, वह बाद में निजी संस्था के माध्यम से स्कूल तक कैसे पहुंची? उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार भोपाल विकास प्राधिकरण ने साल 2000 में इस जमीन के लिए टेंडर निकाला था। अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर 2004-05 में फिर प्रक्रिया हुई। बाद में वर्ष 2008 में राजमाता (भारत माता) शिक्षा एवं समाज समिति को लगभग 92.10 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से भू-भाग आवंटित किया गया। इसकी निर्धारित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जाती है।

यहां दो सवाल बेहद महत्वपूर्ण हैं। पहला - उस समय लागू कलेक्टर गाइडलाइन और बाजार मूल्य की तुलना में यह दर कैसे तय हुई? दूसरा - यदि जमीन स्कूल के लिए आवंटित हुई थी तो उसकी लीज की शर्तों के अनुसार निर्धारित समय में निर्माण क्यों नहीं हुआ? बताया जाता है कि 2008 के आवंटन में स्कूल भवन के निर्माण के लिए समय-सीमा निर्धारित थी। इसके बावजूद चौदह साल बाद तक भवन का निर्माण नहीं हुआ। यदि लीज की शर्तों का उल्लंघन हुआ था तो बीडीए ने लीज निरस्त क्यों नहीं की? और यदि जमीन की स्थिति बाद में भी ओपन स्पेस के रूप में दर्ज थी, तो उसके उपयोग में बदलाव की अनुमति किस प्रक्रिया के तहत दी गई?

विरोध और नगर निगम में आपत्ति

इस पूरी कहानी में अगला बड़ा मोड़ 29 नवंबर 2022 को आता है। नगर निगम के तत्कालीन चीफ सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार के स्तर से स्कूल भवन के लिए बिल्डिंग परमिशन जारी की गई। इसी अनुमति के आधार पर जनवरी 2023 में निर्माण शुरू हुआ। स्थानीय रहवासियों ने इसका विरोध किया और निगम में आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद 18 जनवरी 2023 को तत्कालीन नगर निगम आयुक्त बीएस चौधरी कोलसानी ने बिल्डिंग परमिशन निरस्त कर दी। इसके बावजूद विवाद खत्म नहीं हुआ। मामला अदालत तक पहुंचा और न्यायिक कार्यवाही के बीच निर्माण आगे बढ़ता गया। देखते ही देखते करीब 11 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला चार मंजिला स्कूल भवन खड़ा हो गया।

प्रशासन से सीधा सवाल...

जब नगर निगम ने बिल्डिंग परमिशन निरस्त कर दी थी, तो उसके बाद निर्माण को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? मध्य प्रदेश में अवैध निर्माण और अवैध संपत्तियों पर प्रशासनिक कार्रवाई का सबसे चर्चित तरीका बुलडोजर रहा है। लेकिन शाहपुरा में चार मंजिला भवन धीरे-धीरे बनता रहा। यह कोई रातोंरात खड़ा हुआ ढांचा नहीं था। चार मंजिल का भवन, बाउंड्री वॉल, कमरों का निर्माण सब कुछ खुले तौर पर होता रहा। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि बीडीए से आवंटित भू-भाग की सीमा से भी अधिक क्षेत्र को बाउंड्री के भीतर लेने की कोशिश हुई। रिकॉर्ड में भू-भाग की चौड़ाई करीब 102 फुट बताई जाती है, जबकि मौके पर लगभग 110 फुट तक कब्जे का आरोप लगाया गया है।

सवाल है कि जिस व्यक्ति के खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया, उसके नाम से जुड़ी संपत्तियों और कंपनियों की जांच की गई और करीब 108 करोड़ रुपये की संपत्तियों के अटैचमेंट का मामला सामने आया उसकी इस स्कूल वाली संपत्ति को लेकर स्वतंत्र प्रशासनिक जांच हुई? यदि हुई तो उसका परिणाम क्या है? एक सरकारी एजेंसी ने जमीन आवंटित की।? दूसरी ने बिल्डिंग परमिशन दी।? फिर उसी परमिशन को निरस्त किया गया।? मामला अदालत पहुंचा।? और इसी दौरान चार मंजिला भवन खड़ा हो गया। तो फिर जवाबदेही किसकी है? अब शाहपुरा का चार मंजिला स्कूल भवन पूछ रहा है - जिस व्यवस्था ने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने में कभी देर नहीं की, उसी व्यवस्था के हाथ इस भवन के सामने आखिर क्यों रुक गए?

भोपाल सहित 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में कई एक्टिव सिस्टम के असर से बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी भोपाल में आज का मौसम पूरी तरह बदला हुआ है और शहर समेत राज्य के आधे हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार सुबह से जारी झमाझम बारिश के बीच मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले दो दिनों तक भोपाल समेत मालवा-महाकोशल के कई जिलों में मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

घने बादलों की चादर और लगातार हो रही बारिश के कारण शुक्रवार को भोपाल में दिन और रात के तापमान में बहुत कम अंतर देखने को मिला। शहर का अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री लुढ़ककर 23.8°c दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.2°c यानी सामान्य से 2 डिग्री कम रिकॉर्ड हुआ। अकेले शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच शहर में 18 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इन जिलों बारिश का अलर्ट : मौसम विभाग ने भोपाल के लिए पूर्वानुमान जताया है कि शनिवार को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा जिन जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, उनमें विदिशा, राजगढ़, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, भोपाल, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सतना, पन्ना, दमोह और निवाड़ी शामिल हैं।

शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का एलान

शिक्षकों की पात्रता परीक्षा अब ऑफलाइन भी आयोजित होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

भोपाल में आयोजित शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा के उच्च आदर्शों और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उनके विचार चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा के लिए आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के 33 शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगू भाई पटेल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

राखी के ताने पर मर्डर

इंदौर में जेठानी ने देवरानी को चाकू से गोदा, हौज में छिपा दिया शव

इंदौर, एजेंसी। राऊ थाना क्षेत्र में राखी के ताने ने देवरानी-जेठानी के रिश्ते को खूनी बना दिया। 22 वर्षीय नवविवाहिता वंदना पटेल की उसकी जेठानी पार्वती ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी और शव घर के पीछे बने हौज में डालकर ढक्कन से बंद कर दिया। वंदना ने 11 अगस्त को उपेंद्र पटेल से प्रेम विवाह किया था। पुलिस के मुताबिक, पार्वती का भाई दुष्कर्म के आरोप में दमोह जेल में बंद है। रक्षाबंधन पर मायके नहीं जाने को लेकर वंदना ने पार्वती से सवाल किया और कथित तौर पर उसे ताना दिया। विवाद बढ़ने पर वंदना ने उसे घर से निकालने की धमकी दी। इसी बात से नाराज पार्वती ने मौका पाकर पहले उसकी गर्दन और फिर पेट पर चाकू से वार किया। वंदना के मोबाइल बंद मिलने पर उपेंद्र घर पहुंचा और हौज से शव निकाला। पुलिस ने पार्वती को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सीसीटीवी और चाकू पर मिले फिंगरप्रिंट के आधार पर उसने वारदात स्वीकार की।

मेट्रो एंकर

रोज हाथ में फावड़ा लेकर निकलते हैं दादाराव, कहते हैं- मेरा बेटा नहीं लौटा, किसी और का लौट आए

गड्ढे ने छीना 16 साल का बेटा, पिता ने भर दिए 1450 गड्ढे

मुंबई। , एजेंसी

बारिश में सड़क पर जमा पानी के नीचे छिपा एक गड्ढा किसी के लिए महज सड़क की खराबी हो सकता है, लेकिन मुंबई के दादाराव बिल्होरे के लिए हर गड्ढा उनके बेटे की मौत की याद है। नौ साल पहले एक ऐसे ही गड्ढे ने उनसे उनका 16 वर्षीय बेटा प्रकाश छीन लिया। इसके बाद उन्होंने जो किया, वह किसी बदले की कहानी नहीं, बल्कि दूसरों की जिंदगी बचाने का संकल्प बन गया। हाथ में फावड़ा उठाया और निकल पड़े सड़कों के गड्ढे भरने। अब तक वे 1450 से ज्यादा गड्ढे भर चुके हैं।

28 जुलाई 2015 का दिन दादाराव आज भी नहीं भूल पाए हैं। उनका बेटा प्रकाश अपने चचेरे भाई राम के साथ बाइक से घर लौट रहा था। मुंबई में तेज बारिश हो रही थी। सड़क पर पानी भरा था और उसी पानी के नीचे छिपा था एक खतरनाक गड्ढा। बाइक उसमें जा गिरी। हादसे में राम बच गया, लेकिन प्रकाश को गंभीर चोट लगी और ब्रेन हैमरेज के कारण उसकी मौत हो गई। प्रकाश सिर्फ 16 साल का था और दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था। बेटे की मौत के बाद दादाराव ने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की। जिस गड्ढे ने प्रकाश की जान ली थी, वह उसके निधन के कुछ दिन बाद भर दिया गया। लेकिन दादाराव के मन में एक सवाल रह गया कि अगर गड्ढा पहले भर दिया गया होता तो क्या उनका बेटा आज जिंदा होता? इस सवाल ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। करीब एक महीने बाद वे फावड़ा, पत्थर, बजरी और दूसरे उपलब्ध सामान के साथ सड़क पर उतर गए। उन्होंने पहला गड्ढा खुद भरा। फिर दूसरा। धीरे-धीरे यह काम उनके लिए बेटे की याद को जिंदा रखने का जरिया बन गया। शुरुआत में लोग उन्हें देखकर हैरान होते थे। कुछ ने मजाक भी उड़ाया। लेकिन दादाराव रुके नहीं। उन्होंने सड़क के किनारे पड़े निर्माण सामग्री के पत्थर और बजरी जुटाकर गड्ढों को भरना शुरू किया। बाद में उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल रोड-बॉन्ड सामग्री का इस्तेमाल भी शुरू किया। उनकी मेहनत देखकर दूसरे लोग जुड़ने लगे और आगे चलकर 'पॉथोल वॉरियर्स' जैसे नागरिक समूह भी उनके साथ आए।

मुंबई ने नाम दिया 'पॉथोल दादा'

उनकी कहानी का एक और मार्मिक पहलू है। प्रकाश की मौत के बाद परिवार ने उसके लिए खरीदे गए कपड़े भी दूसरों को दे दिए, क्योंकि उन्हें घर में रखना परिवार के लिए बेहद मुश्किल था। बेटे की याद आज भी परिवार के साथ है, लेकिन दादाराव ने उस दुख को अपने तक सीमित नहीं रहने दिया। प्रकाश वापस नहीं आ सकता। लेकिन दादाराव का हर भरा हुआ गड्ढा शायद किसी दूसरे पिता को वह फोन आने से रोक सकता है, जिसने नौ साल पहले उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी थी। और इसी वजह से मुंबई ने उन्हें एक ऐसा नाम दिया, जिसे उन्होंने कभी मांगा नहीं था—'पॉथोल दादा'।

गड्ढों की लोकेशन दर्ज कर उन्हें भरने में मदद के लिए Spothole ऐप भी सामने आया। दादाराव कहते हैं कि जब कोई उनसे पूछता है कि आखिर वे इतने गड्ढे क्यों भरते हैं, तो उनका जवाब बेहद सीधा है - उन्होंने अपना बच्चा खोया है और वे नहीं चाहते कि किसी और परिवार को वही दर्द झेलना पड़े।

दिन में मटकी फोड़ी... आधी रात आए गोपाल..

नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...

श्री हरिहर महोत्सव समिति ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य शोभायात्रा निकाली। बारिश के बीच छाते में रथ पर राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, वासुदेव सहित राजा भोज की जीवंत झांकी निकाली गई। शहर में अलग-अलग स्थानो पर मटकी फोड़े गए।

आधी रात शहर भर मंदिरों में शंख, घंटे-घड़ियाल गूंज उठे। बरसती बूंदों के बीच नटखट नंदलाल प्रकट हुए। श्रद्धालुओं ने आरती की। मंदिरों में नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की...जैसे उद्घोष गूंजते रहे। बिरला मंदिर में श्रीकृष्ण की आरती करते पुजारी।

भोपाल. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण स्वागत के लिए सुबह से ही पूरा मंदिरों में उमड़ता रहा। दिनभर उपवास, भजन-कीर्तन में लोग खोए रहे। दिनभर भादौ में बारिश की लगी झड़ी से मानो इंद्रदेव खुद भी कान्हा का दीदार के लिए बेचैन थे। जैसे ही घड़ी की सूइयों ने रात के 12 बजाए, मंदिरों में उल्लास दोगुना हो गया। श्रद्धालुओ ने हाथ जोड़े और आराध्य को प्रमाण कर आशीष लिया। भगवान को मंदिरों में झूले झुलाए गए। आरती की गई और शंख-घंटा-घड़ियाल की आवाज से भक्ति दोगुनी हो उठी।

न्यूज विंडो

गोकशी में इनामी बदमाश लम्बू गिरफ्तार, डेढ़ माह से था फरार

भोपाल। गोकशी का इनामी बदमाश गिरफ्तार निशातपुर थाना पुलिस ने डेयरी की आड़ में कथित गोकशी के मामले में फरार चल रहे तीन हजार रुपए के इनामी आरोपी लम्बू उर्फ नफीस को गिरफ्तार किया है। वह डेढ़ महीने से फरार था। पुलिस ने उसे मुखबिर की सूचना पर सात दुकान कलारी के पास घेराबंदी कर पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 17 जुलाई को लखन यादव की सूचना पर पुलिस और स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की थी। एक ऑटो से गोवंश का मृत शव बरामद किया गया था। पुलिस पहले ही अजीज खान, उसके बेटे आसिफ, अनीस, जुबेर और इकराम कुरैशी को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी लम्बू पर आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हैं। लम्बू के खिलाफ हनुमानगंज थाने में मारपीट का एक मामला भी दर्ज है।

गुफा मंदिर के पास हादसा: कार की टक्कर से युवक की मौत

भोपाल। लालघाटी गुफा मंदिर के पास सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मूलचंद (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन को जब्त कर लिया है।

रीवा स्टेशन पर धीमी होते ही रीवांचल एक्सप्रेस में छीनाझपटी

भोपाल। रीवांचल एक्सप्रेस में सफर कर रहे भोपाल के एक युवक से बदमाश ने छीनाझपटी कर ली। घटना उस समय हुई जब ट्रेन रीवा स्टेशन के पास धीमी हो रही थी। इसी दौरान अज्ञात बदमाश मोबाइल और पर्स छीनकर भाग खड़ा हुआ। बैग में जरूरी दस्तावेज, आधार कार्ड, क्रेडिट कार्ड और नकद रुपए रखे हुए थे। जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

शहर के आरा मशीनों की अगले सप्ताह शुरू हो सकती है शिफ्टिंग

भोपाल। प्रशासन अगले सप्ताह आरा मशीनों की शिफ्टिंग शुरू करने की तैयारी में है। परवलिया में आने वाले छोटा रातीबड़ क्षेत्र में लगभग काम पूरे हो गए हैं। अभी यहां 40 दुकानों शिफ्ट किया जाएगा। इससे मेट्रो के काम में तेजी आएगी। भारत टॉकीज, बरखेड़ी व पुल बोगदा पर 108 आरा मशीनें हैं। एसडीएम दीपक पांडे ने बताया कि जल्द ही आरा मशीनों को शिफ्टिंग शुरू की जाएगी।

साइबर ठगों का नया पैंतरा, 3 लोगों को बनाया निशाना, पुलिस ने फ्रीज कराए खाते

न ओटीपी शेयर, न ही लिंक पर किया क्लिक..फिर भी खाते खाली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर ठगों ने एक बार फिर शहर के तीन लोगों को निशाना बनाया। इस बार न फर्जी पुलिस बनकर धोखा दिया। न ही फर्जी आयकर अधिकारी। किसी को डिजिटल अरेस्ट भी नहीं किया। ठगों के इस नए पैंतरे ने पुलिस को भी हैरत में डाल दिया है। पहला मामला कजलीखेड़ा में सिम पोर्ट कराने के बाद एक महिला के बैंक खाते से रुपए निकाले गए। वहीं, मिसरोद में दवा कंपनी के कर्मचारी के खाते से रुपए निकाले। तीसरे मामले में स्टेट बैंक के एटीएम में कार्ड का क्लोन बनाकर खाते से रुपए उड़ा लिए। सभी ने यही कहा कि न तो उन्होंने ओटीपी शेयर की, न ही किसी लिंक पर क्लिक किया, फिर भी खाते में सेंध लग गई।

पहली घटना कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया, थुआखेड़ा निवासी रानी बैरवा (29) के पति बिजली का काम करते हैं। रानी ने बताया कि 24 अगस्त को उन्होंने जियो नंबर आइडिया-वीआई में पोर्ट कराया था। उनके पति डी-मार्ट के पास सड़क किनारे बैठने वाले एक वेंडर के पास गए थे। वहां से सिम मिलने के बाद उसे मोबाइल में लगाया। इसके कुछ समय बाद ही बैंक खाते से रुपए कटने के मैसेज लगातार आने लगे। संदेह हुआ तो रानी तुरंत यूको बैंक पहुंचीं। वहां पता चला कि उनके खाते से 2.09 लाख रुपए निकल चुके हैं। उन्होंने साइबर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने रुपए फ्रीज कराए हैं।

सावधान रहें, शिकायत करें

साइबर विशेषज्ञों की मानें तो बिना लिंक क्लिक किए और ओटीपी बताए भी रुपए बैंक खातों से निकाले जा सकते है। धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं तो तुरंत खाता, कार्ड/यूपीआई ब्लॉक कराएं।

- 1930 पर साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराएं।
- यदि डेबिट कार्ड से पैसा ठगा गया तो कार्ड बदल लें।
- यूपीआई से संदिग्ध लेन-देन हुआ है तो यूपीआई पिन तुरंत बदलें।

7 बार ट्रांजेक्शन और 1.85 लाख रुपए पार

दूसरी ठगी मिसरोद थाना क्षेत्र में हुई है। हरिगंगा नगर निवासी नरेंद्र अग्रवाल (56) मंडीदीप स्थित लूपिन कंपनी के कर्मचारी हैं। उनका खाता आईसीआईसीआई बैंक में है। मिसरोद पुलिस ने बताया, जालसाजों ने सात किस्तों में 1 लाख 85 हजार 996 रुपए निकाल लिए। नरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उन्होंने किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं किया था और न ही ओटीपी बताया। दोनों साइबर पुलिस ने जांच की तो कई खातों में रुपए के ट्रांसफर होने की जानकारी मिली। पुलिस ने उन खातों में पहुंची ठगी की रकम फ्रीज करा दी है।

पीडब्ल्यूडी के अफसर के खाते में भी लगी सेंध

पीडब्ल्यूडी के अफसर को एटीएम में कार्ड फंसने के बाद मदद की उम्मीद में एक व्यक्ति से फर्जी नंबर पर संपर्क करना महंगा पड़ गया। शाहपुरा स्थित एसबीआई के एटीएम में पहले से स्कीमर लगा था। इससे पीडब्ल्यूडी अधिकारी के डेबिट कार्ड की जानकारी बदमाशों तक पहुंच गई। इसके बाद कार्ड का क्लोन बनाकर अयोध्या नगर के एटीएम से उनके खाते से 50 हजार रुपए निकाल लिए गए। घटना फरवरी 2025 की है। पुलिस के मुताबिक भरत नगर निवासी सुदामा प्रसाद पीडब्ल्यूडी में अधिकारी हैं। उनका खाता इंडियन बैंक में है। हालांकि इसका खुलासा अभी हुआ है। वे श्वेता मंदिर के पास स्थित एसबीआई के एटीएम पहुंचे थे। यहां उनका कार्ड मशीन में फंस गया। इसी दौरान वहां मौजूद एक व्यक्ति ने उन्हें मदद के बहाने एटीएम पर चिपके पंपलेट में दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा। सुदामा प्रसाद ने बताए गए नंबर पर बात की। बातचीत के बाद उनका कार्ड एटीएम से बाहर निकल आया। उस समय उन्हें कार्ड की जानकारी चोरी होने का अंदेशा नहीं था। अगले दिन दोपहर उनके खाते से पांच बार में कुल 50 हजार रुपए निकाल लिए गए। इस मामले में आरोपी को पुलिस ने अब गिरफ्तार कर लिया है।

जेपी अस्पताल की नई इमारत

26 करोड़ का भवन डेढ़ साल से बंद, सुविधा होल्ड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के जेपी अस्पताल में मरीजों को बेहतर और आधुनिक इलाज देने के लिए तैयार की नई बहुमंजिला इमारत बदहाली का शिकार होने लगी है। करीब 26 करोड़ रुपए से बनी पांच मंजिला इमारत को मरीजों के लिए खोलने की कई समय-सीमाएं तय हो चुकी हैं, लेकिन अब तक शुभारंभ नहीं हो सका है। अब आलम यह है कि इस इमारत के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने लगा है। परिसर में शराब की बोतलें दिखाई दे रही हैं, जबकि अस्पताल के बाहर बने पोर्च में लोग मोटरसाइकिल और कार खड़ी कर रहे हैं। करीब डेढ़ साल से तैयार इस इमारत का उपयोग शुरू नहीं होने से एक तरफ मरीजों को नई सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

नए भवन को शुरू करने के लिए प्रशासन ने कई बार समय सीमा तय की। हाल ही में कलेक्टर की बैठक में 15 अगस्त से इसे शुरू करने को कहा था। लेकिन सब कागजों में सिमटा रहा। प्रशासन के इस ढीले रवैये से अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाएं भी अटक गई हैं। बता दें, पांच मंजिला भवन में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बेड और कई चिकित्सा सुविधाओं की योजना बनाई गई है। 270 बेड के साथ 4 मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर बनाने की तैयारी थी। लेकिन यह सब भवन में ही कैद होकर रह गई है।

7 विभागों के विशेषज्ञ तैनात, नो फ्लाई जोन में केंद्र ने दी ड्रोन उड़ाने की अनुमति

अब वैज्ञानिक तरीके से तय होगी बड़े तालाब की हद, एनजीटी के आदेश पर आज से काम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बड़े तालाब की सीमा को लेकर वर्षों से चल रहे सर्वे व सीमांकन के खेल के बीच अब प्रशासन वैज्ञानिक तरीके से वास्तविक हद तय करने जा रहा है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश पर भोज वेटलैंड, कलियासोत, केरवा जलाशयों के सीमांकन की आज भदभदा से शुरुआत हो रही है। एनजीटी कमेटी, पर्यावरण विशेषज्ञों और संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में ड्रोन मैपिंग शुरू होगी। भदभदा को शुरुआती केंद्र चुना है, क्योंकि यहां से पानी कलियासोत में जाता है। नो फ्लाई जोन में ड्रोन उड़ाने के लिए केंद्र ने अनुमति दे दी है। सर्वे में ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग, जियो-टैगिंग, पुराने मुनार-पिलर, वीडियोग्राफी और ग्राउंड ट्रुथिंग का इस्तेमाल होगा। इससे तालाब का एफटीएल का सही आकलन होगा।

2017 से ही अतिक्रमण की जांच की जाएगी

इस बार अवैध निर्माणों की जांच वेटलैंड रूल्स-2022 नहीं, बल्कि 2017 के नियमों के आधार पर होगी। नई सीमा तय होने के बाद शहरी क्षेत्र में एफटीएल से 50 मीटर और ग्रामीण क्षेत्र में 250 मीटर तक स्थायी-अस्थायी निर्माण प्रतिबंधित रहेगा। वेटलैंड, बफर और प्रभाव क्षेत्र में नियम विरुद्ध निर्माणों को तीन माह में हटाने की कार्रवाई होगी।

अपनी मांगों को लेकर आज शाहजहानी पार्क में प्रदर्शन करेंगे अतिथि शिक्षक

भोपाल। हजारों अतिथि शिक्षक आज शिक्षक दिवस के मौके पर शाहजहानी पार्क में प्रदर्शन करेंगे। अतिथि शिक्षक तत्कालीन सीएम की घोषणाओं को लागू करने की मांग कर रहे हैं। इनमें वार्षिक अनुबंध, बीच सत्र में बेरोजगार नहीं करने और स्थायी रोजगार देने की घोषणाएं शामिल हैं। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया, 2 सितंबर 2023 को लाल परेड मैदान में अतिथि शिक्षक पंचायत में पूर्व सीएम कई घोषणाएं की थीं। वार्षिक अनुबंध, बीच सत्र में बेरोजगार नहीं करने, गुरुजियों की तर्ज पर नीति बनाकर नियमित करने और सीधी भर्ती में बोनस अंक देकर स्थायी रोजगार का वादा किया। लेकिन पूरा नहीं हुआ।

अशोका गार्डन क्षेत्र की घटना

ऑटो-बाइक की टक्कर के बाद भिड़े युवक, फिर भीड़ ने पीटा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र की 80 फीट रोड पर देर रात ऑटो और बाइक की टक्कर के बाद विवाद हो गया। इसके बाद बाइक सवार युवकों ने ऑटो चालक की पिटाई कर दी। यह देखकर आसपास के लोग पहुंचे और युवकों की पिटाई कर दी। कुछ देर तक सड़क पर चले हंगामे के कारण मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस जांच कर रही है। ऑटो चालक अदनान उर्फ अयान खान पर बाइक को कट मारने का आरोप लगाया है। बाइक अभिषेक ठाकुर चला रहा था और पीछे उसका दोस्त बैठा था। टक्कर में दोस्त को चोट आने के बाद अभिषेक और साथियों का ऑटो चालक से विवाद हुआ। आरोप है कि युवकों ने ऑटो को सड़क पर रोककर चालक से मारपीट की। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया, बाइक सवार युवक रॉन्ग साइड से आए थे और उनकी बाइक ऑटो से टकराई थी।

मेट्रो एंकर शिक्षक दिवस विशेष: एक पहल से स्कूल में बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत

सेमरी खुर्द के सरकारी स्कूल में नहीं थे संसाधन, दूरी इतनी कि बच्चे नहीं आते थे, शिक्षक की पहल पर मिली मदद, अब ऑटो से आ-जा रहे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूल अच्छे नहीं होते। यहां सुविधाएं नहीं होतीं। अमूमन यही धारणा लोगों के मन में होती हैं। यह कुछ हद तक सही भी है, लेकिन शासकीय प्राथमिक शाला सेमरी खुर्द ने इस धारणा को तोड़ दिया है। 1997 में इमली के पेड़ के नीचे 15 बच्चों से शुरू हुआ यह स्कूल आज समाज की भागीदारी से प्रेरणा का केंद्र बन गया है। इस बदलाव की पहल शिक्षक राकेश पटेल ने की थी। गांव से 5 किमी दूर खेत-खलिहानों में रहने वाले बच्चे स्कूल आने से परहेज करते थे। इतनी लंबी दूरी तय करना उनके लिए कठिन था। अधिकांश इतने गरीब थे कि साइकिल या अन्य साधन जुटाना संभव नहीं था। ऐसे में शिक्षक राकेश ने गांव-गांव जाकर पालकों को समझाया। दूरी को कम करने के लिए उन्होंने सामूहिक प्रयास से निःशुल्क ऑटो सेवा शुरू की। उनकी मेहनत रंग लाई। अब इसी ऑटो से बच्चे रोज सुबह स्कूल पहुंच रहे हैं। स्कूल में छुट्टी होने के बाद यही ऑटो उन्हें घर तक भी पहुंचा रहे हैं। इससे उपस्थिति 95 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है।

ड्रॉपआउट बच्चों के आंकड़ों से शुरू हुई पहल

स्कूल से बच्चे ड्रॉपआउट हुए तो पटेल ने सर्वे किया तो पाया कि 20 से ज्यादा बच्चे आने-जाने और दूरी कारण से छूट रहे हैं। उन्होंने पहले पैदल जाकर बच्चों को लाने की कोशिश की, फिर सहयोग से ऑटो की व्यवस्था की। यह ऑटो सुबह 7 बजे निकलता है और पगडंडियों से बच्चों को स्कूल तक लेकर आता है। पटेल ने बच्चों को रोचक तरीके से पढ़ाने के लिए तरीके भी बदले। स्कूल परिसर में पौधे लगाए। दीवारों पर टीएलएम पेंटिंग करवाई। लोकल भाषा में कहानियों से पढ़ाते हैं।

ऐसे मिली मदद

आईएसईआर फैक्ट्री के सीएसआर सहयोग से भवन निर्माण और पुराने भवन का सुधार हुआ। सेज यूनिवर्सिटी ने स्कूल को वॉटर कूलर दिया। इसी जुड़ाव से धीरे-धीरे स्कूल में भवन सुधरा, पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाएं जुड़ीं। पटेल बताते हैं कि 1997 में 15 बच्चे इमली के पेड़ के नीचे बैठते थे। धीरे-धीरे प्रयास करता रहा और रास्ते बनते गए। ऑटो उसी सोच का परिणाम है।

आरोपी दानिश पर पहले से 18 केस दर्ज

जुए के विवाद में बदमाशों का आधी रात साजिदा नगर में हंगामा, तोड़फोड़

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र के साजिदा नगर में जुए के दौरान हुए विवाद का बदला लेने बदमाशों ने आधी रात को हंगामा किया। गाली-गलौज और तोड़फोड़ के बाद भूरी बाई नाम की महिला पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर पिस्टल, कारतूस, छुरी जब्त की हैं।

पुलिस के अनुसार 30 अगस्त को रात 10 बजे कबीटपुरा और टीला जमालपुरा क्षेत्र के बदमाश साजिदा नगर में जुआ खेलने पहुंचे थे। जुए में हार-जीत को लेकर उनका विवाद हो गया। इस दौरान अजहर, मुन्नू और दानिश के साथ मारपीट की गई। आरोपियों ने इसका बदला लेने की योजना बनाई। रात करीब 12:30 बजे दानिश और उसके साथियों ने अन्य साथियों को फोन कर साजिदा नगर बुलाया। हथियारों से लैस कई युवक वहां पहुंच गए और हंगामा किया।

फुटेज से पहचाने गए आरोपी घटना के बाद टीआई लोकेंद्र सिंह ठाकुर ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने दानिश खान, शमी कुरैशी, फरहान उर्फ शहंशाह, अनस खान और आजम खान को गिरफ्तार कर लिया। दानिश पर पहले से 18 मामले दर्ज हैं।

शिक्षा व्यवस्था की शर्मनाक तस्वीर!

बड़वानी में झोपड़ी बनी स्कूल, बारिश में टपकती छत के नीचे पढ़ रहे मासूम, 2003 से भवन का इंतजार

बड़वानी, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल बड़वानी जिले में शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत ने सरकारी दावों की पोल खोल दी है। पानसेमल विकासखंड के ग्राम पंचायत करणपुरा के संकुल क्षेत्र दोल्जर आंबा में प्राथमिक शिक्षा का हाल ऐसा है कि बच्चों को पक्के स्कूल भवन की जगह झोपड़ी में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। हालात यह हैं कि बारिश के मौसम में झोपड़ी की छत जगह-जगह से टपकती है और बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो जाती है।

पक्की छत का इंतजार, झोपड़ी में बीत रहे साल

पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के करणपुरा के मोक्सर फलिया और दोल्जर आंबा में प्राथमिक स्कूल लंबे समय से झोपड़ियों में संचालित किए जा रहे हैं। मोक्सर फलिया की शिक्षिका अनीता डुडवे के मुताबिक, वह वर्ष 2003 से स्कूल में पदस्थ हैं और स्कूल की शुरुआत से ही यहां पक्के भवन का अभाव बना हुआ है। यानी करीब दो दशक से ज्यादा समय गुजरने के बावजूद बच्चों को स्कूल भवन नसीब नहीं हुआ। मोक्सर फलिया के प्राथमिक विद्यालय में सत्र 2025-26 के दौरान 23 बच्चे दर्ज हैं। इन बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के बजाय उन्हें अस्थायी झोपड़ी में पढ़ना पड़ रहा है।

बारिश आते ही पढ़ाई पर संकट| झोपड़ी में संचालित स्कूल की सबसे बड़ी परेशानी बारिश के दौरान सामने आती है। छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को बैठने में परेशानी होती है और कई बार पढ़ाई रोकनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। स्कूल भवन के साथ पीने के पानी और आवागमन की समस्या भी बनी हुई है।

एमपी में 18856 पंचायतों ने नहीं दिया डेवलपमेंट प्लान

सरकार की चेतावनी, अटक सकती है 16वें वित्त आयोग से मिलने वाले अनुदान की किस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विकास कार्ययोजना समय पर अपलोड नहीं होने से 16वें वित्त आयोग के अनुदान की पहली किस्त अटकने का खतरा है। प्रदेश की 23,011 ग्राम पंचायतों में से अब तक सिर्फ 4,155 यानी करीब 18 फीसदी पंचायतों ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की विकास कार्ययोजना ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड की है। पंचायतों को अब 15 सितंबर तक कार्ययोजना अपलोड करनी होगी।

अनुदान की किस्त नहीं मिलने पर पंचायतों में सड़क, सामुदायिक विकास और अन्य विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं। इसे देखते हुए पंचायत राज संचालनालय ने सभी त्रि-स्तरीय

पंचायतों को तय समय में कार्ययोजना अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

15 सितंबर के बाद बंद हो जाएगा अनुमोदन- पंचायत राज संचालनालय ने सीईओ जिला और जनपद पंचायतों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान (जीपीडीपी), जनपद पंचायत डेवलपमेंट प्लान (बीडीडीपी) और जिला पंचायत डेवलपमेंट प्लान (डीपीडीपी) समय-सीमा में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड कराए जाएं।

भारत सरकार के पंचायत राज मंत्रालय ने इन कार्ययोजनाओं को अपलोड करने की अंतिम तारीख 15 सितंबर 2026 तय की है। इसके बाद पोर्टल पर कार्ययोजना के अनुमोदन की प्रक्रिया बंद हो जाएगी।

योजना अपलोड नहीं तो पहली किस्त की पात्रता नहीं

निर्धारित समय में कार्ययोजना अपलोड नहीं करने वाली पंचायतें 16वें वित्त आयोग के अनुदान की पहली किस्त पाने की पात्र नहीं होंगी। इसकी जिम्मेदारी संबंधित पंचायत की होगी। संचालनालय ने अधिकारियों को पंचायतों से समय पर कार्ययोजना तैयार कराकर अपलोड कराने के निर्देश दिए हैं।

विभागीय योजनाएं भी पंचायत प्लान में शामिल होंगी

संचालनालय ने संबंधित विभागों को भी निर्देशित किया है कि पंचायतों की विकास कार्ययोजना तैयार करते समय विभागीय योजनाओं को इसमें शामिल कराया जाए। इसका उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की बेहतर योजना बनाना और अलग-अलग सरकारी योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करना है।

भोपाल पुलिस का फिटनेस टेस्ट

62% जवान कसौटी पर नहीं उतरे खरे, 248 युवा एक घंटे में भी नहीं दौड़ पाए 10 किमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में पुलिसबल को चुस्त-दुरुस्त और एक्टिव बनाए रखने के मकसद से शुरू की गई सैटरडे रनिंग ड्राइव के पहले ही नतीजों ने वरिष्ठ अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस विभाग द्वारा कराए गए इस फिटनेस टेस्ट में शामिल हुए लगभग 62त्न पुलिसकर्मी तय मानकों को पूरा करने में असफल रहे। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 45 वर्ष से कम आयु वाले जिन युवा जवानों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, उनमें से भी करीब 62त्न जवान निर्धारित समय में दौड़ पूरी नहीं कर सके। राजधानी के सभी 12 एसीपी संभागों में आयोजित इस प्रक्रिया में कुल 560 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 349 जवान तय समय में लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहे।

45 वर्ष से कम उम्र (लक्ष्य: 60 मिनट में 10 किमी)| इस श्रेणी में शामिल 396 पुलिसकर्मियों में से केवल 148 जवान ही समय पर दौड़ पूरी कर पाए, जबकि 248 (62 फीसदी से अधिक) असफल रहे। मिसरोद (70), निशातपुरा (49) और कोतवाली (21) संभाग के युवाओं में से एक भी जवान निर्धारित समय में दूरी तय नहीं कर सका। वहीं, शाहजहांनाबाद में 53 में से मात्र 4 जवान सफल हुए। सकारात्मक पहलू यह रहा कि जहांगीराबाद के सभी 26 और टीटी नगर के सभी 22 जवानों ने दौड़ सफलता से पूरी की।

45 से 55 वर्ष की उम्र (लक्ष्य: 45 मिनट में 5 किमी)| इस वर्ग में भाग लेने वाले 118 पुलिसकर्मियों में से 53 ही सफल रहे, जबकि 65 पिछड़ गए। कुल 55 फीसदी असफल रहे।

55 वर्ष से अधिक उम्र (लक्ष्य: 25 मिनट में 3 किमी)| सीनियर श्रेणी के 46 कर्मचारियों में से महज 10 ही लक्ष्य तक पहुंच पाए। मिसरोद (14) और निशातपुरा (8) के सभी पुलिसकर्मी इस टेस्ट में असफल साबित हुए।

अभ्यास के लिए मिलेगा और समय| जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि कुछ थानों में जवानों ने दौड़ने के बजाय केवल स्ट्रेचिंग ही की, जबकि 55 से अधिक उम्र के कई जवानों ने स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का हवाला देकर योग का विकल्प चुना।

भरोसे की दरार

भ्रष्टाचार की शिकायतें केवल कागज पर दर्ज संख्याएं नहीं होतीं। हर शिकायत के पीछे किसी नागरिक का अनुभव, किसी व्यवस्था से उपजा असंतोष और कहीं न कहीं टूटता हुआ भरोसा छिपा होता है। इसलिए केंद्रीय सतर्कता आयोग की वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट को केवल आंकड़ों की रिपोर्ट मानकर आगे बढ़ जाना उचित नहीं होगा। यह रिपोर्ट शासन की उन दरारों की ओर भी संकेत करती है, जहां से पारदर्शिता और जवाबदेही का पानी लगातार रिस रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में सरकारी संस्थाओं के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित 70,584 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से करीब 65 हजार शिकायतों का 31 दिसंबर तक निस्तारण भी कर दिया गया। पहली नजर में यह प्रशासन की सक्रियता और कार्यक्षमता का संकेत लग सकता है, लेकिन यहीं एक बड़ा सवाल खड़ा होता है-निस्तारण आखिर किसे कहें? क्या शिकायत की निष्पक्ष जांच हुई? क्या जिम्मेदारी तय हुई? क्या दोषी पाए गए लोगों पर कार्रवाई हुई? या फिर फाइल के एक खाने से दूसरे खाने तक घूमते हुए शिकायत ने अंततः बंद होने का रास्ता खोज लिया? सबसे अधिक शिकायतें बैंकों और रेलवे के खिलाफ आईं। बैंकों से जुड़ी 9,933 और रेलवे से संबंधित 9,381 शिकायतें दर्ज हुईं। इन आंकड़ों के आधार पर किसी पूरी संस्था को भ्रष्टाचार का पर्याय मान लेना निश्चित रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतने बड़े आंकड़े किसी गंभीर संकेत से कम भी नहीं हैं। दोनों संस्थाएं सीधे आम आदमी की जिंदगी से जुड़ी हैं। बैंक में उसके पैसे और उम्मीदें हैं तो रेलवे में उसकी यात्रा, समय और रोजमर्रा की जरूरतें। ऐसे क्षेत्रों में छोटी अनियमितता भी नागरिक के मन में बड़ा अविश्वास पैदा कर सकती है। रिपोर्ट का एक और पहलू बेचैनी पैदा करता है। करीब दो हजार शिकायतें निर्धारित तीन महीने की अवधि से भी अधिक समय तक लंबित रहीं। भ्रष्टाचार के मामले में देरी केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं है। देर से मिला न्याय शिकायतकर्ता के विश्वास को उतना ही कमजोर करता है, जितना गलत कार्रवाई। इसलिए भ्रष्टाचार विरोधी तंत्र को केवल शिकायतों की संख्या घटाने या निस्तारण का प्रतिशत बढ़ाने तक सीमित नहीं किया जा सकता। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि कितने मामलों में प्रथमदृष्टया भ्रष्टाचार सामने आया, कितनों में जवाबदेही तय हुई और कार्रवाई के बाद व्यवस्था में क्या बदला।

डॉक्टरों की सुरक्षा से समझौता नहीं, अस्पतालों में हिंसा पर लगे निर्णायक लगाम

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

देश में डॉक्टर को अक्सर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। यह केवल एक भावनात्मक उपमा नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है जिसके सहारे कोई व्यक्ति अपने जीवन और अपने परिवार के सदस्य का जीवन चिकित्सक के हाथों में सौंप देता है। बीमारी, दुर्घटना या किसी गंभीर संकट की स्थिति में परिवार का सबसे पहला सहारा अस्पताल और डॉक्टर ही होते हैं। उस समय मरीज और उसके परिजन डॉक्टर से उम्मीद करते हैं कि वह हर संभव प्रयास करके जीवन बचाएगा। ऐसे में उसी डॉक्टर के साथ अस्पताल के भीतर मारपीट, गाली-गलौज या धमकी की घटना केवल एक व्यक्ति के सम्मान पर हमला नहीं, बल्कि पूरे चिकित्सा तंत्र की गरिमा और समाज के भरोसे पर चोट है।

ठाणे के नगर अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट के मामले में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी इसी गंभीर सवाल को सामने रखती है। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा ट्रायल कोर्ट से दी गई जमानत पर रोक लगाने और मामले का स्वतः संज्ञान लेने के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ठहराया है। शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे समेत आरोपियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट संकेत दिया कि अस्पताल में घुसकर डॉक्टरों पर हमला करने जैसी घटनाओं को सामान्य विवाद मानकर नहीं देखा जा सकता। पीठ ने इस बात को भी गंभीरता से लिया कि घटना में एक महिला डॉक्टर भी मौजूद थीं और मारपीट का वीडियो सामने आया था। न्यायालय का यह रुख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देता है कि अस्पताल हिंसा के लिए कोई खुला मैदान नहीं हो सकता और कानून के सामने राजनीतिक पहचान अथवा सामाजिक प्रभाव की कोई विशेष ढाल नहीं होनी चाहिए।

दरअसल, डॉक्टरों पर हमले की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं हैं। यह उस सामाजिक मानसिकता का परिणाम भी हैं जिसमें कई बार मरीज की हालत बिगड़ने या उपचार में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर गुस्सा डॉक्टर के खिलाफ मोड़ दिया जाता है। परिवार का दुख और चिंता स्वाभाविक है। किसी अपने को गंभीर स्थिति में देखकर व्यक्ति विचलित हो सकता है। लेकिन भावनात्मक आक्रोश को हिंसा में बदलने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। बीमारी हमेशा डॉक्टर की गलती नहीं होती और हर चिकित्सा प्रक्रिया का परिणाम मरीज या उसके परिजनों की इच्छा के अनुरूप हो, यह भी संभव नहीं है। चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं और जटिलताओं के बीच काम करता है। इस वास्तविकता को समझे बिना डॉक्टर को हर असफलता का जिम्मेदार ठहराना खतरनाक प्रवृत्ति है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल जैसी जगह, जहां व्यक्ति सुरक्षा और उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचता है, वहां डॉक्टर स्वयं असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। यदि चिकित्सक को यह भय रहने लगे कि किसी मरीज के परिजन या भीड़ इलाज के परिणाम से नाराज होकर उस पर हमला कर सकती है, तो इसका सीधा असर चिकित्सा व्यवस्था पर पड़ेगा। डॉक्टर निर्णय लेने में हिचकेंगे, तनाव बढ़ेगा और कई बार कठिन परिस्थितियों में जरूरी चिकित्सकीय फैसले लेने का साहस भी प्रभावित हो सकता है। इसका नुकसान अंततः मरीज को ही होगा। इसलिए डॉक्टरों की सुरक्षा को किसी पेशेवर समूह की विशेष मांग समझना भूल होगी। यह सीधे-सीधे सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रश्न है। जिस देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की बात हो रही है, वहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अस्पतालों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील मामलों में प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, शिकायतों के लिए प्रभावी व्यवस्था और हिंसा की स्थिति में तत्काल कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष कानून के शासन से जुड़ा है। लोकतंत्र में कोई व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं हो सकता। जनप्रतिनिधि होने का अर्थ यह नहीं है कि किसी को अस्पताल में जाकर डॉक्टर से दुर्व्यवहार या मारपीट करने का अधिकार मिल जाता है। यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि ही कानून को अपने प्रभाव की सीमा में समझने लगे तो आम नागरिक से कानून के सम्मान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? जनप्रतिनिधियों पर तो सामान्य नागरिक की तुलना में अधिक जिम्मेदारी होती है, क्योंकि उनका आचरण समाज के लिए उदाहरण बनता है। यह भी जरूरी है कि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के व्यवहार को लेकर स्पष्ट आचारसंहिता तय करें। अस्पताल में हिंसा करने वाला व्यक्ति किसी दल का समर्थक हो, पदाधिकारी हो या निर्वाचित प्रतिनिधि, उसके खिलाफ कार्रवाई केवल इसलिए कमजोर नहीं पड़नी चाहिए कि उसके पीछे राजनीतिक पहचान है। राजनीति का उद्देश्य समाज में व्यवस्था और विश्वास कायम करना है, न कि किसी व्यक्ति को कानून से बचाने का माध्यम बनना। डॉक्टरों के साथ होने वाली बदसलूकी का एक कारण अस्पतालों में संवाद की कमी भी है। गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज के परिजन स्वाभाविक रूप से कई सवाल पूछते हैं। उन्हें उपचार, बीमारी की गंभीरता, संभावित जोखिम और आगे की प्रक्रिया के बारे में पर्याप्त जानकारी न मिले तो बेचैनी और असंतोष बढ़ सकता है। अस्पताल प्रशासन को मरीजों और परिजनों के साथ संवाद की ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे शिकायतों को हिंसा का रूप लेने से पहले ही रोका जा सके। लेकिन संवाद की व्यवस्था का अर्थ यह कतई नहीं कि हिंसा को सहन किया जाए। शिकायत का अधिकार हर व्यक्ति को है, हिंसा का अधिकार किसी को नहीं।

महिला डॉक्टर के साथ हुई मारपीट इस मामले को और गंभीर बनाती है। कार्यस्थल पर किसी महिला चिकित्सक को धमकाना या उसके साथ हिंसक व्यवहार करना सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी है और अस्पतालों में बड़ी संख्या में महिला डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी सेवाएं दे रहे हैं। यदि वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित नहीं हैं तो यह केवल स्वास्थ्य क्षेत्र ही नहीं, बल्कि महिलाओं की कार्यस्थल सुरक्षा का भी सवाल है।

डॉक्टरों की सुरक्षा केवल डॉक्टरों की सुरक्षा नहीं है। यह उस हर परिवार की सुरक्षा है जिसे कभी न कभी अस्पताल के दरवाजे पर उम्मीद लेकर पहुंचना पड़ता है। जिस दिन समाज यह बात पूरी तरह समझ लेगा, उस दिन डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी; उसके सम्मान और सुरक्षा को एक जिम्मेदार समाज का सामान्य कर्तव्य मान लिया जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

शिक्षक दिवस विशेष

आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, मानवीय मूल्यों के संरक्षक भी होंगे

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे।

परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है। डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं। इसलिए भविष्य का शिक्षक स्वयं भी निरन्तर सीखने वाला होगा। जो शिक्षक समय के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और शिक्षण-पद्धति को अद्यतन करेंगे, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयार कर पाएँगे।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा और कौशल के बीच संतुलन स्थापित करने की है। केवल उपाधियाँ प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी नहीं है। संवाद कौशल, समस्या-समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और सहानुभूति जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों में इन क्षमताओं का विकास करना होगा, ताकि वे केवल अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी व्यापक हो जाती है। यहाँ शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आधार भी है। शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी संस्कृति, परम्पराओं और मूल्यों से जोड़ते हुए उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संवैधानिक मूल्यों का विकास कर सकते हैं। विद्यालय की कक्षा वास्तव में भविष्य के समाज की प्रयोगशाला है। तकनीक के इस दौर में शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवीय संवेदना है। पुस्तक ज्ञान दे सकती है, इंटरनेट सूचना दे सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन किसी विद्यार्थी की आँखों में छिपी निराशा को पहचानना, उसकी असफलता में उसका मनोबल बढ़ाना और उसे फिर से प्रयास करने की प्रेरणा देना शिक्षक ही कर सकता है। मशीन विद्यार्थी के प्रश्न का उत्तर दे सकती है, लेकिन उसके मौन का अर्थ समझना अभी भी मानवीय संवेदना का विषय है। आज परिवारों की संरचना और जीवनशैली में भी बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों का स्वरूप सीमित हो रहा है और अनेक बच्चों को पहले की तरह परिवार के बुजुर्गों का निरन्तर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे समय में शिक्षक का दायित्व और बढ़ जाता है। विद्यालय केवल पाठ पढ़ाने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि को आकार देने का स्थान भी है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित कर सकता है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को प्रश्न करना, तर्क करना, निर्णय लेना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाती है। शिक्षा मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, बल्कि विवेकशील और संवेदनशील भी बनाती है। यदि विद्यार्थी ऊँची उपाधियाँ तो प्राप्त कर लें, लेकिन उनमें करुणा, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव हो, तो शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाती है।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक हैं। एक शिक्षक एक विद्यार्थी को बदलता है, विद्यार्थी परिवार को प्रभावित करता है और परिवार समाज को। इस प्रकार शिक्षक का प्रभाव एक पूरी पीढ़ी तक पहुँचता है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, नीतियों और योजनाओं में नहीं बनता; उसका वास्तविक निर्माण कक्षाओं में होता है। कक्षा में बैठा विद्यार्थी ही आने वाले समय का वैज्ञानिक, चिकित्सक, प्रशासक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि, उद्यमी और नागरिक बनेगा।

शिक्षक दिवस पर इसलिए हमें केवल शिक्षकों को शुभकामनाएँ नहीं देनी चाहिए, बल्कि उनके दायित्व, सम्मान और सामाजिक महत्व को भी समझना चाहिए। तकनीक बदल सकती है, पाठ्यक्रम बदल सकते हैं, शिक्षण के माध्यम बदल सकते हैं, लेकिन मनुष्य को मनुष्य बनाने की आवश्यकता कभी समाप्त नहीं होगी। क्योंकि मशीनें ज्ञान दे सकती हैं, तकनीक सूचना दे सकती है, लेकिन जीवन को दिशा देने वाला शिक्षक ही होता है। यही शिक्षक की वास्तविक पहचान है और यही आने वाले भविष्य में उसकी सबसे बड़ी प्रासंगिकता भी होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

वर्कआउट के बाद मांसपेशियों में लगातार दर्द रहे तो इसे न करें नजरअंदाज

नई एक्सरसाइज शुरू करने के बाद या लंबे समय के ब्रेक के बाद जिम करने पर अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि शरीर में दर्द दो-चार दिनों तक बना रहता है। कई बार यह दर्द इतना अधिक होता है कि सीढ़ियां चढ़ना या बैठना भी मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकतर मामलों में यह डिलेड ऑनसेट मसल्स सोरनेस (DOMS) होता है, जो शरीर की सामान्य रिकवरी प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, कुछ परिस्थितियों में यही दर्द मांसपेशियों की चोट का संकेत भी हो सकता है। इसलिए दोनों के बीच अंतर समझना जरूरी है।

एनसीबीआई के अनुसार जब आप पहली बार कोई कठिन व्यायाम करते हैं या पहले की तुलना में ज्यादा वजन उठाते हैं, तो मांसपेशियों के फाइबर में बहुत छोटे-छोटे माइक्रो टियर्स बनते हैं। शरीर इन्हें नुकसान नहीं बल्कि अनुकूलन के रूप में देखता है। इसके बाद इम्यून सिस्टम सक्रिय होकर इन टिशू की मरम्मत करता है, जिससे सूजन और दर्द महसूस होता है। यदि दर्द एक सप्ताह से अधिक बना रहे या लगातार बढ़ता जाए, तो डॉक्टर से जांच करानी चाहिए क्योंकि यह सामान्य छ्हस्स नहीं भी हो सकता है। एनसीबीआई और अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सामान्य दर्द (DOMS)और मसल इंजरी में लक्षणों को बताया गया है।

दर्द धीरे-धीरे शुरू होता है और एक्सरसाइज करते समय अचानक तेज दर्द। दोनों तरफ की समान मांसपेशियों में होना। तेज सूजन या नील पड़ना। कभी कभी हल्की अकड़न रहती है और मांसपेशी में कमजोरी आती है। ऐसे लक्षण दिखने पर फिजिशियन या स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ से तुरंत सलाह लेनी चाहिए।

स्टडी के अनुसार यदि दर्द सामान्य है, तो कुछ उपाय रिकवरी को तेज कर सकते हैं। पूरी तरह आराम करने के बजाय हल्की वॉकिंग या साइकलिंग करने से रक्त संचार बेहतर होता है। हल्की स्ट्रेचिंग से अकड़न कम हो सकती है। दाल, पनीर, अंडे, दूध, सोया और अन्य प्रोटीन स्रोत मसल रिकवरी में मदद करते हैं। साथ ही रोजाना 7-9 घंटे की नींद रिकवरी के लिए जरूरी है। वर्कआउट के बाद शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है। कुछ अध्ययनों के अनुसार फोम रोलिंग से DOMS की तीव्रता कम हो सकती है। यदि दर्द बहुत अधिक हो, लंबे समय तक बना रहे या उसके साथ सूजन, कमजोरी या चलने में परेशानी हो, तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

निशाना

बरसात

ब्रजकिशोर पटेल

मानसून का उखड़ा हुआ
मूड देखकर
देश के हाल बेहाल है
पानी सहमा हुआ, और
मछलियों के हाथ में जाल है
एक तरफ रोजगार का
सूखा है, अकाल है
दूसरी तरफ
महंगाई की बाढ़ है
भावनाओं की नदियाँ
सूख रही है
स्वार्थ और महत्वाकांक्षाओं के
तने हुये पहाड़ हैं
इधर गरीबी की
ऐंसी घनघोर घटा छाई है
कि दिन में ही रात हो रही है
उधर भ्रष्टाचारियों के घर में दौलत की
बरसात हो रही है।।

टेक्नो अपडेट

7,900mAh बैटरी के साथ Redmi 17 5G, फोन में आया दमदार बदलाव

स्मार्टफोन के बाजार में कंपनियां अब सिर्फ कैमरा और डिजाइन पर ही नहीं, बल्कि लंबी बैटरी लाइफ और बेहतर डिस्प्ले पर भी बड़ा दांव लगा रही हैं। इसी दिशा में Xiaomi ने भारत में अपना नया Redmi 17 5G लॉन्च किया है। फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7,900mAh की बड़ी बैटरी है। कंपनी ने इसे ऐसे यूजर्स को ध्यान में रखकर पेश किया है, जिन्हें बार-बार फोन चार्ज करने की परेशानी पसंद नहीं है।

Redmi 17 5G में Snapdragon 4 Gen 5 प्रोसेसर दिया गया है। यह चिपसेट रोजमर्रा के इस्तेमाल, सोशल मीडिया, वीडियो स्ट्रीमिंग और सामान्य गेमिंग जैसे कामों के लिए बेहतर परफॉर्मेंस देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। फोन में 5G कनेक्टिविटी मिलने से तेज मोबाइल इंटरनेट का विकल्प भी मिलता है।

फोन का एक और अहम आकर्षण इसका 120Hz रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले है। सामान्य 60Hz स्क्रीन की तुलना में 120Hz रिफ्रेश रेट स्क्रॉलिंग, एनिमेशन और सपोर्टेड गेम्स को ज्यादा स्मूद बनाता है। यानी सोशल मीडिया फीड देखने से लेकर वेब ब्राउजिंग तक फोन का इस्तेमाल ज्यादा सहज महसूस हो सकता है।

बड़ी बैटरी क्यों खास है?: आज स्मार्टफोन में स्क्रीन बड़ी और प्रोसेसर ज्यादा शक्तिशाली होने के साथ बैटरी की खपत भी बढ़ रही है। ऐसे में 7,900mAh की क्षमता वाला बैटरी पैक उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है, जो फोन का इस्तेमाल लगातार करते हैं। वीडियो देखने, नेविगेशन, सोशल मीडिया और मोबाइल इंटरनेट के लंबे इस्तेमाल में बड़ी बैटरी उपयोगकर्ता को चार्जर से कुछ राहत दे सकती है।

Redmi 17 5G की लॉन्चिंग यह भी दिखाती है कि बजट और मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में बैटरी क्षमता अब प्रतिस्पर्धा का बड़ा हथियार बन रही है। पहले जहां कंपनियां कैमरा मेगापिक्सल और रैम पर ज्यादा जोर देती थीं, वहीं अब ज्यादा बैटरी, तेज कनेक्टिविटी और हाई-रिफ्रेश-रेट स्क्रीन जैसे फीचर भी खरीदारी का फैसला प्रभावित कर रहे हैं।

टेक्नोलॉजी के जानकारों के मुताबिक आने वाले समय में स्मार्टफोन में सिर्फ ज्यादा क्षमता वाली बैटरी ही नहीं, बल्कि बैटरी की चार्जिंग स्पीड, तापमान नियंत्रण और ऊर्जा दक्षता भी महत्वपूर्ण होंगी। खासकर 5G और ऑन-डिवाइस एआई जैसे फीचर्स के बढ़ते इस्तेमाल के साथ पावर मैनेजमेंट की भूमिका और बढ़ सकती है

अजब - गजब

सुअर की किडनी ने 271 दिन थामी जिंदगी, फिर मिला इंसानी अंग

मेडिकल साइंस में इंसान और जानवर के बीच अंग प्रत्यारोपण की कोशिशें लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए बड़ी चुनौती रही हैं, लेकिन अमेरिका से सामने आया एक मामला इस दिशा में नई उम्मीद जगाता है। यहां एक व्यक्ति ने सुअर की किडनी के सहारे 271 दिन तक जिंदगी गुजारी। इसके बाद डॉक्टरों ने उसके शरीर में इंसानी किडनी का सफल प्रत्यारोपण किया। यह असाधारण मामला इन दिनों चर्चा में है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के न्यू हैम्पशायर के रहने वाले टिम एंड्रयूज के शरीर में सुअर की किडनी प्रत्यारोपित की गई थी। खास बात यह रही कि इस किडनी ने लंबे समय तक उनके शरीर में काम किया और इस दौरान उन्हें डायलिसिस की जरूरत नहीं पड़ी। करीब 271 दिनों तक सुअर की किडनी ने उनके शरीर के लिए वह काम किया, जो सामान्य तौर पर इंसानी किडनी करती है। इसके बाद जनवरी 2026 में डॉक्टरों ने टिम के शरीर में इंसानी किडनी का प्रत्यारोपण किया। इस तरह सुअर की किडनी ने उन्हें उस अवधि तक सहारा दिया, जब तक इंसानी अंग उपलब्ध नहीं हो गया।

जानवर से इंसान में अंग क्यों?: दुनिया भर में ऐसे मरीजों की संख्या बहुत अधिक है जिन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन जरूरत के मुकाबले उपलब्ध मानव अंग बेहद सीमित हैं। यही वजह है कि वैज्ञानिक लंबे समय से जानवरों के अंगों को इंसानों के लिए इस्तेमाल करने की संभावना पर काम कर रहे हैं।

इसे जेनोट्रांसप्लांटेशन कहा जाता है। इसमें किसी जानवर के अंग या ऊतक को इंसान के शरीर में प्रत्यारोपित करने की कोशिश की जाती है। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि इंसानी शरीर बाहरी अंग को पहचानकर उसे अस्वीकार कर सकता है।

इसी समस्या को कम करने के लिए वैज्ञानिक आनुवंशिक रूप से बदले गए सूअरों पर शोध कर रहे हैं। उद्देश्य ऐसे अंग तैयार करना है जिन्हें इंसानी शरीर अपेक्षाकृत बेहतर तरीके से स्वीकार कर सके।

271 दिन क्यों खास?: इस मामले की सबसे खास बात इसकी अवधि है। किसी व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित सुअर की किडनी का 271 दिनों तक काम करना इस बात की ओर संकेत करता है कि भविष्य में पशु अंगों को मानव अंगों की कमी के बीच एक संभावित विकल्प के रूप में देखा जा सकता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर निकली नगर में शोभायात्रा, झांकियों और अखाड़ों के करतब बने आकर्षण का केंद्र

‘नंद के आनंद भयो... जय कन्हैया लाल की’ से गूंजा शहर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शहर में श्रद्धा और उल्लास से सराबोर भव्य चल समारोह निकाला गया। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और धार्मिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियों ने पूरे मार्ग पर मनमोहक छटा बिखेरी। शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन और पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। चल समारोह की शुरुआत स्थानीय गांधी चौक स्थित भगवान श्रीराम जानकी मंदिर से पूजा-अर्चना के बाद हुई। शोभायात्रा हनुमान चौक, जयस्तंभ चौक, अंबेडकर चौक और नेहरू चौक होते हुए रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां समारोह का समापन हुआ। चल समारोह में बैलगाड़ी पर सजी भगवान श्रीकृष्ण की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके अलावा अनेक सुंदर एवं मनमोहक झांकियां शामिल रहीं। भगवान श्रीकृष्ण की वेशभूषा में सजे कलाकार नृत्य करते हुए चल रहे थे, वहीं बग्घी में छोटे-छोटे बच्चे श्रीकृष्ण का स्वरूप धारण कर बैठे थे। श्रद्धालुओं ने भगवान के स्वरूपों का श्रद्धाभाव से स्वागत किया और पूजन कर प्रसादी ग्रहण की।

अखाड़े में दिखाए हैरतअंगेज करतब

चल समारोह को आकर्षक बनाने के लिए अखाड़े भी शामिल किए गए। पहलवानों ने तलवारबाजी, लाठी सहित विभिन्न प्रकार के हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए। जहां-जहां शोभायात्रा रुकी, वहां अखाड़े के कलाकारों ने अपने प्रदर्शन से लोगों का मनोरंजन किया। करतब देखने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ती रही। चल समारोह में जन्माष्टमी की पारंपरिक दही हांडी फोड़ने की रस्म निभाई गई। युवाओं की टोली ने ऊंचाई पर बंधी दही हांडी फोड़ी और नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की’ के जयघोष से गूंज उठा। मटकी में रखे माखन-मिश्री और नकद राशि को युवाओं ने आपस में बांटा। दही हांडी का रोमांचक प्रदर्शन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। आसपास के घरों की छतों और बालकनियों से महिलाओं सहित लोगों ने शोभायात्रा का आनंद लिया। पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह और श्रीकृष्ण भक्ति का माहौल बना रहा। सर्व समाज की सहभागिता ने चल समारोह को और भव्य बना दिया।

न्यूज विंडो

खो-खो प्रतियोगिता में औबेदुल्लागंज ब्लॉक बना ओवरऑल चैंपियन

मंडीदीप। बेगमगंज के सेंट थॉमस स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में औबेदुल्लागंज ब्लॉक के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता में जिले के बाड़ी, बेगमगंज, सिलवानी, औबेदुल्लागंज, गैरतगंज, सांची सहित विभिन्न ब्लॉकों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 14 वर्ष बालक-बालिका, 17 वर्ष बालक-बालिका और 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग के मुकाबले खेले गए। औबेदुल्लागंज ब्लॉक के खिलाड़ियों ने सभी आयु वर्गों में दमदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक अंक अर्जित किए और ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं 19 वर्ष बालिका वर्ग में औबेदुल्लागंज की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों में जीत के लिए उत्साह और जोश देखने को मिला। प्रतियोगिता का आयोजन एवं खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में ओमकार रैकवार और ठाकुर सर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में शिक्षा खेल अधिकारी राजेश यादव की उपस्थिति रही। औबेदुल्लागंज ब्लॉक के ओवरऑल चैंपियन बनने पर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों में उत्साह का माहौल रहा।अधिकारियों एवं युवा खेल प्रेमि एवं समाजसेवी रिज़वान अली ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

कजली में अवैध रेत उत्खनन करते दो पनडुब्बी जब्त, गिट्टी से भरा डंपर पकड़ा

नर्मदापुरम। जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम कजली में कार्रवाई करते हुए अवैध रेत उत्खनन में लगी दो पनडुब्बियां जब्त की हैं। दोनों पनडुब्बियों को सिवनी मालवा थाना पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है। इसी कार्रवाई के दौरान खनिज विभाग की टीम ने डंपर को गिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते पकड़ा। डंपर को भी जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। प्रशासन के अनुसार जिले में रेत सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर निगरानी बढ़ाई गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में नायब तहसीलदार सिवनी मालवा हीरू कुमरे, खनि निरीक्षक बसंत पाटिल, खनि सिपाही हेमंत राज सहित राजस्व अमला मौजूद रहा।

मवेशी चराने गए बुजुर्ग पर भालू ने किया हमला, इलाज के दौरान मौत

शहडोल। जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र में मवेशी चराने गए 73 वर्षीय बुजुर्ग पर मादा भालू ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तत्काल 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है। वहीं नियमानुसार 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना केशवाही वन परिक्षेत्र के बीट कुडेली स्थित कक्ष क्रमांक आरएफ-1005 की है। बताया गया कि कुछ लोग जंगल क्षेत्र में मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान दो शावकों के साथ विचरण कर रही मादा भालू का सामना मवेशी चरा रहे लोगों से हो गया। भालू को देखते ही दो लोग अपने मवेशियों के साथ पीछे हट गए लेकिन 73 वर्षीय छत्रधारी साहू, निवासी ग्राम कुडेली, वहीं रह गए। इसी दौरान मादा भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया। साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाकर भालू को भगाने का प्रयास किया। हल्ला सुनकर मादा भालू अपने दोनों शावकों के साथ जंगल की ओर भाग गई लेकिन तब तक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर अंकुर तिवारी वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल बुजुर्ग को तत्काल उपचार के लिए वन विभाग की ओर से निजी वाहन की व्यवस्था कर मेडिकल कॉलेज भेजा गया लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। रेंजर अंकुर तिवारी ने मृतक के परिजनों को तत्काल 10 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की।

सासन चौकी पुलिस ने महिला की संदिग्ध मौत के मामले का पोस्टमार्टम से खुला राज

हत्या को आत्महत्या बताने की कोशिश बेनकाब, दूसरी पत्नी के साथ रची साजिश

सिंगरौली। दोपहर मेट्रो

सासन चौकी पुलिस ने महिला की हत्या के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए उसके पति और सास को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार महिला की गला दबाकर हत्या करने के बाद वारदात को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फांसी पर लटकाने का प्रयास किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और मामले का खुलासा किया।

पुलिस के अनुसार 2 सितंबर को ग्राम बसौड़ा निवासी अंगद प्रसाद कुशवाहा ने सासन चौकी में सूचना दी थी कि उसकी पत्नी लीलावती कुशवाहा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बैढ़न भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चिकित्सक ने लीलावती की मौत गला घोंटने के कारण होना बताया। इसके बाद पुलिस को घटना पर संदेह हुआ। वहीं मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने भी उसके पति अंगद प्रसाद पर गला दबाकर हत्या करने और बाद में घटना को आत्महत्या का रूप देने की आशंका जताई।

पूछताछ में सामने आई साजिश

मर्ग जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अंगद प्रसाद कुशवाहा के खिलाफ थाना बैढ़न में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि अंगद प्रसाद ने अपनी दूसरी पत्नी संगीता शाह के साथ फोन पर लीलावती की हत्या की योजना बनाई थी। आरोप है कि 2 सितंबर की सुबह करीब 9:30 बजे योजना के तहत अंगद ने लीलावती की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए अंगद ने अपनी मां बांसमती कुशवाहा के साथ मिलकर शव को पुराने घर में ले जाकर फांसी पर लटकाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार जब यह प्रयास सफल नहीं हुआ तो शव को जमीन पर लिटा दिया गया और बाद में शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी गई।

पति और सास को किया गिरफ्तार

जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी अंगद प्रसाद कुशवाहा और उसकी मां बांसमती कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले में पुलिस की आगे की जांच जारी है। वहीं पुलिस दूसरी पत्नी संगीता शाह की भूमिका समेत अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका

पुलिस अधीक्षक सिंगरौली सियाज के.एम., अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर ललित बैरागी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी कोतवाली उपनिरीक्षक विनय शुक्ला और चौकी प्रभारी सासन उपनिरीक्षक बी.एल. बंसल के नेतृत्व में गठित टीम ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मां-बेटे को बंधक बनाकर 40 लाख रुपए की डाली डकैती, नकदी व जेवर ले गए बदमाश

रीवा। दोपहर मेट्रो

मऊगंज जिले के तिलिया गांव में 40 लाख रुपये की बड़ी डकैती की वारदात सामने आई है। डकैती की घटना एक मेडिकल स्टोर संचालक के घर में हुई है। घटना के वक्त मेडिकल स्टोर संचालक की पत्नी व बेटा घर पर थे, पत्नी का कहना है कि पहले दो बदमाश मेडिकल स्टोर पर दवाई खरीदने के लिए आए और फिर उनके अन्य साथी आ गए। जिन्होंने घर में घुसकर हथियार दिखाकर बंधक बनाया और जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस में मामले की जांच शुरू कर दी है।

तिलिया गांव के रहने वाले अरविंद कुमार साहू घर में ही मेडिकल स्टोर का संचालन करते हैं। बीते दिन वो बाहर थे, घर पर पत्नी व बेटा थे। अरविंद की पत्नी बेबी साहू के मुताबिक रात करीब 10 बजे दो लोग दवाई लेने के बहाने आए। उसके बाद उनके कुछ अन्य साथी भी आ गए। सीधे बदमाश मेडिकल स्टोर के अंदर घुस गए और कट्टा सहित धारदार हथियार दिखाकर बंधक बना लिया। उनके हाथ, पैर व मुंह बांधकर किनारे बैठा दिया। पीड़िता बेबी साहू के मुताबिक बंधक बनाने के बाद बदमाशों ने पूरे घर की तलाशी ली और घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात व नकदी और मेडिकल स्टोर में रखे नकद पैसे और सामान लेकर फरार हो गए। बदमाशों के भागने के बाद महिला ने किसी तरह खुद की रस्सी खोली और पति को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू की। पीड़ित परिवार का दावा है कि करीब 40 लाख रुपये की डकैती हुई है। वहीं, घटना की प्रारंभिक जांच में पुलिस को कुछ ऐसे बिंदु मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी राजेश पटेल ने बताया कि महिला ने जिस रस्सी से खुद को बांधे जाने की बात कही है, वह काफी छोटी है और उससे इस तरह बांधना संभव नहीं लगता। थाना प्रभारी के मुताबिक, आरोपी रात करीब 10 बजे आए और रात करीब एक बजे घर से गए। उन्होंने कहा कि घटना में तीन घंटे तक बदमाशों के घर में रुके रहने की बात भी जांच का विषय है। पुलिस इन सभी बिंदुओं की जांच कर रही है।

छतरपुर में मकान और दीवार गिरने से दो लोगों की मौत, 3 बच्चे घायल

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच जिले में दो स्थानों पर मकान व दीवार गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। दोनों घटनाओं में दो लोगों की जान चली गई जबकि 3 बच्चे घायल हुए हैं। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों ही घटनाओं के बाद गांवों में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

छतरपुर जिले के गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र के सिंदूरकी गांव में जर्जर मकान की अचानक दीवार गिरने से 70 वर्षीय लक्ष्मी प्रसाद राजपूत की दबने से मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। दो अन्य बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार बुजुर्ग लक्ष्मी प्रसाद खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पुराने मकान की दीवार भरभराकर गिर गई और बुजुर्ग समेत तीन बच्चे मलबे में दब गए। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाया और सभी को बाहर निकाला। लक्ष्मी प्रसाद की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि गंभीर घायल बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना पर गढ़ी मलहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

वहीं छतरपुर के ही बिजावर थाना क्षेत्र के धरमपुरा पहलेपुरा गांव में कच्चा मकान गिरने से 90 वर्षीय कालिया बाई बिन्दुआ की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ, जब कालिया बाई घर में सो रही थीं। मकान अचानक ढह गया और वह मलबे में दब गईं। बताया गया है कि क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण कच्चे मकानों के कमजोर होने की स्थिति बनी हुई थी। इसी दौरान यह मकान अचानक ढह गया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

मेट्रो एंकर — नेपाल में आई बाढ़ में फंस गई थीं अनूपपुर जिले की दो बहनें

10 दिन पहाड़ पर फंसी कोतमा की दो बहनें, लौटीं तो परिजनों के छलके आंसू

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

दस दिन तक हर फोन की घंटी पर दिल धड़कता रहा। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच फंसी मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा शहर की दो बहनों पलक मांझी (24) और पल्लवी मांझी (22) से जब संपर्क टूट गया तो घर में चिंता का माहौल था। परिवार को सिर्फ उनकी सलामती की खबर का इंतजार था।

झांसी के रास्ते ग्वालियर पहुंचीं दोनों बहनों को लेने भाई विपुल मांझी स्टेशन पहुंचे। सामने बहनों को सुरक्षित देखकर भाई की आंखों में राहत थी। लंबे इंतजार के बाद भाई-बहनों का मिलन हुआ तो दोनों बहने भावुक हो गई। शाम को उन्होंने भाई की कलाई पर राखी बांधी। इसके साथ ही दस दिनों से परिवार पर डर का साया जैसे एक पल में छट गया। पलक और पल्लवी समेत नौ सदस्यीय टीम नेपाल घूमने गई थी। 26 अगस्त को जब वहां भीषण बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई, उस समय दोनों बहनें ढोर माउंट के पहाड़ी क्षेत्र में थी।

पहाड़ी इलाके में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण उन्हें तत्काल आपदा की भयावहता का पता नहीं चल सका। अगले दिन जब वे पहाड़ से नीचे आई तो नेपाल में मची तबाही की तस्वीर सामने आई। पलक और पल्लवी मांझी की मां से मीडिया ने खास बातचीत भी की। इस बातचीत में उन्होंने बताया कि जब दोनों बच्चियों की खबर उन तक नहीं पहुंची थी तब घर पर कैसी स्थिति थी।

पलक और पल्लवी ने बताया कि आपदा के बाद नेपाल में कई जगह रास्ते बाधित हो गए थे। आवागमन के साधन आसानी से उपलब्ध नहीं थे। खाने-पीने की व्यवस्था को लेकर भी परेशानी हुई। ऐसे हालात में सुरक्षित स्थान तक पहुंचना और वहां से भारत लौटने की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण रहा। यात्रा के दौरान उन्हें आपदा से बचकर निकले कई अन्य पर्यटक भी मिले। उन्होंने भी अपने भयावह अनुभव साझा किए। मोबाइल पर बाढ़ और तबाही के वीडियो और तस्वीरें देखने के बाद दोनों बहनों को घटना की गंभीरता का और ज्यादा एहसास हुआ।

भारत में आकर लगा घर पहुंच गए

पलक मांझी ने बताया कि आपदा के दौरान मध्य प्रदेश और भारत सरकार की ओर से भी सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि इस दौरान पहली बार उन्हें अपने देश की अहमियत इतनी गहराई से महसूस हुई। उन्होंने कहा कि घर-परिवार के पास लौटने की बेचैनी इतनी पहले कभी महसूस नहीं हुई। भारत की सीमा में पहुंचते ही सबसे पहले राहत की सांस ली कि अब हम सुरक्षित हैं और अपने देश में हैं। ग्वालियर पहुंचने के बाद दोनों बहनें अपने काम पर लौट गईं। परिवार के अनुसार टिकट कन्फर्म होते ही वे कोतमा लौटेंगी। दोनों के सकुशल घर लौटने की खबर ने पिछले दस दिनों से चिंता में डूबे परिवार को आखिरकार सुकून दे दिया।

खबर का असर: दत्तीगांव टोल पर परिवहन विभाग की कार्रवाई, ओवरलोडिंग, बिना परमिट और सुरक्षा में लापरवाही पर 8 बसों पर लगा जुर्माना

रियलिटी चेक के बाद जागा आरटीओ विभाग, स्लीपर बसों पर कसा शिकंजा

अभी भी पूरी तरह नहीं सुधरे हालात, कई बसें बिना सुरक्षा मानकों के दौड़ रही

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में बेखौफ दौड़ रही स्लीपर और यात्री बसों के मनमाने रवैये पर प्रकाशित प्रमुख खबर के बाद नींद से जागे क्षेत्रीय परिवहन विभाग ने सड़कों पर उतरकर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व 'दोपहर मेट्रो' की टीम ने धार क्षेत्र में 15 से अधिक बसों का रियलिटी चेक किया था। इस पड़ताल में बसों के भीतर न तो शासन द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट चस्पा मिली थी और न ही प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध थे। यही नहीं, यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने और क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर सुरक्षा से खिलवाड़ करने के बड़े खुलासे किए गए थे।

प्रकाशित खबर

धार में बस संचालकों की मनमानी, किराया तुरंत बढ़ाया लेकिन सुरक्षा भगवान भरोसे

अधिक किराया वसूलने पर भी पैनी नजर

ओवरचार्जिंग के मुद्दे पर भी आरटीओ अधिकारियों ने बस संचालकों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों से निर्धारित रेट लिस्ट से एक भी रुपया अधिक वसूलने पर परमिट निरस्त करने तक की कार्रवाई की जाएगी।

आरटीओ ने चलाया अभियान

खबर का प्रकाशन होते ही परिवहन आयुक्त एवं कलेक्टर धार के निर्देशों पर आरटीओ विभाग हरकत में आया। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हृदेश यादव के नेतृत्व में परिवहन उप निरीक्षक दिव्या पाटीदार एवं टीम ने दत्तीगांव टोल क्षेत्र में विशेष सघन जांच अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान 5 बसों में निर्धारित क्षमता से काफी अधिक सवारियां बैठी पाई गईं, जिनसे यात्रियों की जान जोखिम में डाली जा रही थी। जांच में 2 बसें ऐसी मिलीं जिनमें इमरजेंसी गेट, फर्स्ट एड किट और आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपयुक्त नहीं पाए गए। एक बस बिना किसी वैध परमिट के धड़ल्ले से संचालित होती पकड़ी गई, जिस पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की गई। कुल 8 बसों पर चालानी कार्रवाई करते हुए विभाग ने 73 हजार का जुर्माना वसूला है। यह सभी खामिया भी एक दिन पूर्व ही खबर के माध्यम से प्रकाशित की गई थी।

अभी भी पूरी तरह नहीं सुधरे हालात

हालांकि की खबर के बाद आरटीओ की इस त्वरित कार्रवाई से बस माफियाओं में हड़कंप जरूर मचा है, लेकिन धार जिले के कई अन्य मार्गों पर अभी भी कई बसें बिना सुरक्षा मानकों के दौड़ रही हैं। जिनकी खबर जल्द की साक्ष्यों के साथ प्रकाशित की जाएगी।

न्यूज विंडो

बरगी बांध के गेट खोलने से नर्मदा नदी उफान पर बोट डूबने से बची

जबलपुर। मौसम का बजाज लगातार बिगड़ा हुआ है। बारिश तेज होने के चलते बरगी बांध के 13 गेट खोले जाने से गौरी घाट में नर्मदा नदी उफान पर हैं और लोगों को घाटों से दूर रखने की चेतावनी दी गई है। आम लोगों कि सुरक्षा के लिए यहां होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवानों को तैनात किया गया है। इसी कड़ी में गौरी घाट में उफान पर चल रही नर्मदा नदी की चपेट में होमगार्ड की नाव आ गई। हालांकि होमगार्ड की इस बोट में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार होमगार्ड की ये मोटरबोट यहां पेट्रोलिंग और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के लिए दी गई है, जिसमें क्षमता से ज्यादा जवान सवार हो गए। बोट की क्षमता 5 से 6 लोग बैठाने की है जिससे दुगुने लोगों के सवार होने से ये हादसा हो गया। हांलांकि, गनीमत ये रही कि मोटरबोट में सवार सभी जवानों की जान बच गई लेकिन मोटरबोट डूब कर नर्मदा नदी में समा गई।

भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर निकाला चल समारोह, उमड़े श्रद्धालु

मंडीदीप। श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम के साथ मनाई गई मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना करने वाले भक्तों का तांता लगने लगा मुख्य आयोजन बाजार में स्थित राधा कृष्ण मंदिर पर आयोजित किया गया, जहां भगवान श्री राधा कृष्ण की विशेष पूजा अर्चना का जन्मोत्सव रात्रि 12 बजे मनाया गया राधा कृष्ण युवा मंदिर समिति एवं हिन्दू उत्सव समिति द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ आयोजन स्थल पहुंचा जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया। भए प्रगट कृपाला दीनदयाल कौशल्या हितकारी की गूंज से भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। साथ ही नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लालकी की गूंज से पूरा शहर गूंज उठा बही। अखिल भारतीय यादव समाज द्वारा भी सतलापुर से चल समारोह निकाला गया, जो मंडीदीप के प्रमुख मार्गों से होता हुआ आयोजन स्थल पहुंचा जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया। चल समारोह में भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने शामिल होकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर विपिन भार्गव, बद्री सिंह चौहान, विनोद जैन, जीवन सिंह पाल,अजीत सिंह चौहान, कपिल पाल अमित, शुभम तिवारी सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

कटनी रेलवे स्टेशन से हथकड़ी से हाथ छुड़ाकर भाग आरोपी, मचा हड़कंप

कटनी। कटनी रेलवे स्टेशन पर तेलंगाना पुलिस को उस समय बड़ी चूक का सामना करना पड़ा, जब दानापुर-पटना-सिकंदराबाद एक्सप्रेस से ट्रांजिट रिमांड पर ले जाया जा रहा एक आरोपी हथकड़ी से हाथ निकालकर फरार हो गया। आरोपी के भागने की सूचना मिलते ही कटनी जीआरपी और आरपीएफ में हड़कंप मच गया। पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर से लेकर आउटर और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन देर तक फरार आरोपी संदीप कुमार का कोई सुराग नहीं मिल सका।

अंबर नदी के पास मुकेश उर्फ पप्पू बारेला की हत्या का मामला

पत्नी के चरित्र पर शक में पत्थर से हत्या, खून से सना शव मिलने से सनसनी, आरोपी गिरफ्तार

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले के भैरूंदा थाना क्षेत्र में अंबर नदी के पास एक व्यक्ति की खून से सना शव मिलने से सनसनी फैल गई। 3 सितंबर 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि भूराखेड़ा गांव के पहले अंबर नदी के पास एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की।

मृतक की पहचान मुकेश उर्फ पप्पू बारेला के रूप में हुई। मृतक के भाई संतोष बारेला, पिता रेलसिंह बारेला, उम्र 32 वर्ष, निवासी भूराखेड़ा, हाल मंजाखेड़ी थाना गोपालपुर, जिला सीहोर की रिपोर्ट पर भैरूंदा पुलिस ने अपराध क्रमांक 508/26, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीहोर पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना ने तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी और वारदात का खुलासा करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी के पर्यवेक्षण में भैरूंदा थाना प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस टीम गठित कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी।

महज 12 घंटे में पुलिस के हाथ लगा हत्यारा

पुलिस टीम ने तेजी से सुराग जुटाते हुए आरोपी विनोद बारेला, पिता नंदराम बारेला, निवासी खामखेड़ा थाना बिल्किसगंज, हाल निवासी ग्राम भूराखेड़ा थाना भैरूंदा, को तत्काल अभिरक्षा में लिया। पुलिस की पूछताछ में घटनाक्रम की कड़ियां जुड़ती चली गईं और महज 12 घंटे के भीतर पुलिस ने इस अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर दिया।

मामले की जांच के बाद होगी कार्रवाई

एसडीओपी रोशन कुमार जैन के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार किया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे अपनी पत्नी के मृतक मुकेश बारेला के साथ अवैध संबंध होने का संदेह था। इसी शक के चलते घटना वाले दिन उसने मुकेश पर पत्थर से सिर में कई बार वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। विवेचना के दौरान वारदात से जुड़े आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अब घटनास्थल, हत्या में प्रयुक्त पत्थर और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की कड़ियों को जोड़कर मामले की आगे की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, विवेचना जारी है और सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों ने वीडियो बनाकर दिखाई स्कूल की हकीकत, छत से टपक रहा पानी

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले की जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत पाली में स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय की बदहाल स्थिति को वहां पढ़ने वाले बच्चों ने सभी के सामने लाकर रख दिया है। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों ने स्कूल की बदहाली और अव्यवस्थाओं से परेशान होकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किए हैं। इन वीडियो में स्कूल की कक्षाओं में भरे पानी और छत से टपकते पानी को दिखाया है जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय पाली के जो वीडियो वहां पढ़ने वाले बच्चों ने बनाए हैं उसमें बच्चों ने बताया है कि किस तरह से छत से टपकते पानी और गीली टेबल-बेंचों पर बैठकर उन्हें पढ़ाई करनी पड़ती है। एक वीडियो में तो कक्षा में पानी भरा हुआ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं वीडियो में बच्चे ये भी कह रहे हैं कि प्रिंसिपल वीडियो बनाने से मना करते हैं, साथ ही बच्चे ये भी कह रहे हैं कि प्रिंसिपल सर ने बताया था कि कलेक्टर तक फॉर्म पहुंचा दिए गए हैं लेकिन दो महीने होने के बावजूद कोई बदलाव नहीं आया है। स्कूल की समस्याओं को लेकर छात्र ये भी बता रहे हैं कि वो पंचायत के सरपंच सचिव के पास भी गए थे लेकिन न तो कार्यालय में सरपंच मिले और न ही सचिव। बच्चों का कहना है कि हर वक्त डर सताता रहता है कि कभी कोई हादसा न हो जाए। बच्चों ने अपनी समस्याएं और स्कूल की बदहाली वीडियो में दिखाने के साथ ही ये भी अपील की है कि ये वीडियो जिम्मेदारों तक पहुंचे तो वो जरुर कार्रवाई करें। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। स्कूल के शौचालय की हालत भी बेहद खराब बताई जा रही है। जर्जर और बदहाल शौचालय के कारण विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को परेशानी उठानी पड़ रही है। विद्यालय में स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की है, लेकिन पाली स्कूल की स्थिति इसके उलट नजर आ रही है।

अपार आईडी से यू-डाइस तक हुई पड़ताल; पोर्टल पर नामांकन, टीसी की प्रक्रिया ऑनलाइन समझाई

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

स्कूलों में विद्यार्थियों से जुड़ी योजनाओं और ऑनलाइन रिकॉर्ड को दुरुस्त रखने के लिए जन शिक्षा केंद्र एमएलबी नरसिंहपुर में संस्था प्रमुखों की मासिक समीक्षा बैठक जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्राचार्य श्रीमती गायत्री सोनी ने की अध्यक्षता, बीआरसी ओ.पी. राय के आतिथ्य एवं बीएसी विनोद कुमार मेहरा, बृजेश कुमार नेमा, अक्षय शर्मा एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर ओ.पी. मेहरा के विशेष अतिथि में आयोजित की गई।

सीपीएमयू बैठक में बैठक में एमआईएस कोऑर्डिनेटर ओ.पी. मेहरा ने यू-डाइस एवं एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर होने वाले कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी। नामांकन, कक्षा उन्नति, टीसी जारी करने और ड्रॉपबॉक्स से विद्यार्थियों को इंपोर्ट करने की प्रक्रिया को पोर्टल पर ऑनलाइन करके प्रत्येक चरण समझाया गया। शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई। बैठक मेंजन शिक्षक एच पी कोरी, राजकुमार कुशवाहा द्वारा अपार आईडी निर्माण, गणवेश खाता सत्यापन, चाइल्ड ट्रैकिंग, मैपिंग एवं नामांकन, एफएलएन व पाठ्यक्रम, प्रशस्त एप, जाति प्रमाण पत्र, यू-डाइस प्लस, कक्षा 6 से 8 का मासिक मूल्यांकन, पीएम ई-विद्या एप, साक्षरता पखवाड़ा, चेतना केंद्र संचालन, विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन तथा एसएनएस स्पर्श के नवीन खाते खुलवाने संबंधी कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी दी गई । शिक्षक दिवस के अवसर पर जन शिक्षा केंद्र प्रभारी श्रीमती गायत्री सोनी ने सभी संस्थाओं एवं उपस्थित अतिथियों को डायरी और पेन भेंट किए। उन्होंने डायरी के नियमित उपयोग को शिक्षण कार्य की योजना, महत्वपूर्ण गतिविधियों के संधारण एवं दैनिक कार्यों के बेहतर प्रबंधन में उपयोगी बताया।

मेट्रो एंकर शोभायात्रा में शामिल भगवान राधा-कृष्ण की आकर्षक ने मोहा भक्तों का मन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नगर में निकली शोभायात्रा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्ष, उल्लास एवं श्रद्धा भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नगर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यादव महासभा के तत्वावधान में पंचवटी सिद्ध धाम, ब्लॉक परिसर स्थित मंदिर में प्रतिवर्षानुसार भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन-पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे पंचवटी मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकी सजाकर नगर के प्रमुख मार्गों से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी भी शामिल हुए। शोभायात्रा में राधा-कृष्ण सहित विभिन्न आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां अनेक बग्गियों और वाहनों पर सजाई गई थीं।

ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए चल रहे थे। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आई टोलियों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वरेदी नृत्य प्रस्तुत किया तथा लोकगीतों के माध्यम से शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। शोभायात्रा में बच्चों की विशेष झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। सबसे आगे ग्वालवंश के कलाकार नाचते-गाते हुए चल रहे थे, जबकि उनके पीछे रथ पर सवार भगवान श्रीकृष्ण की झांकी श्रद्धालुओं का मन मोह रही थी। इसके पीछे बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं वाहनों का लंबा काफिला चल रहा था। गल्ला मंडी मैदान में राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के अनुज सतेंद्र सिंह लोधी ने शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। साथ ही विभिन्न झांकियों का फूल-माला, शाल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। लगभग दो घंटे तक चली शोभायात्रा के दौरान वार्ड क्रमांक 5 में बलराम यादव एवं शोभाराम यादव परिवार की ओर से श्रद्धालुओं को दूध का वितरण किया गया। शोभायात्रा पुनः पंचवटी मंदिर पहुंची, जहां क्षेत्र से आए श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का स्वागत किया गया तथा महाप्रसाद का वितरण किया गया। देर रात्रि तक पंचवटी सिद्ध धाम में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। भक्तों ने साज-बाज के साथ भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-23, 59 अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल (म.प्र.)

फोनः-0755-2761257 E-mail-eenvda23@gmail.com

निविदा सूचना क्र. 11/व.ले.लि.-23/2026-27/1956 भोपाल, दिनांक 03.09.2026

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

(प्रथम आमंत्रण)

ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये आनलाईन निविदायें नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

स. क्र.	नि. आ. सू. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर की राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये में)	ठेकेदारों की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	11	नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नर्मदा भवन, भोपाल में लाईटिंग अरेस्टर (एल.ए.) सिस्टम के मरम्मत का कार्य।	Rs. 7.08 लाख (रू. सात लाख आठ हजार) मात्र (जी.एस.टी. रहित)	Rs. 14,160.00 (रू. चौदह हजार एक सौ साठ मात्र)	Rs. 2,000.00 (रू. दो हजार मात्र)	लोक निर्माण विभाग द्वारा पंजीकृत नवीन कोई भी श्रेणी एवं मुख्य निरीक्षक म.प्र. शासन द्वारा जारी 'अ' श्रेणी का विद्युत ठेकेदारी का वैद्य पंजीयन प्रमाण-पत्र।	02 माह

1. निविदा कार्य के प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 18.09.2026, 17:30 तक
2. धरोहर राशि एवं अहर्ता दस्तावेज वेब साईट पर खोलने की अनुमानित तिथि दिनांक 21.09.2026, 10:30

निविदा प्रपत्र केवल उपरोक्त वेबसाईट से निविदा मूल्य डेबिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से जमा कर क्रय किये जा सकते हैं।
निविदा की विस्तृत जानकारी एवं संशोधन के लिये वेबसाईट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

जी-18174/26

कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 23,
59, अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल

टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर में प्रयोग का दौर नहीं हो रहा खत्म

अब संजू-वैभव की जोड़ी से नया दांव ओपनिंग को लेकर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली , एजेंसी

टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर में प्रयोग का दौर अभी खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। अफगानिस्तान के खिलाफ सितंबर में होने वाली टी20 सीरीज के लिए संजू सैमसन की वापसी ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन को लेकर चर्चाओं को फिर तेज कर दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारतीय टीम प्रबंधन इस बार ऐसा प्रयोग कर सकता है, जो अब तक देखने को नहीं मिला है? क्या संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी पारी की शुरुआत करती नजर आएगी?

अभिषेक के साथ दोनों की हो चुकी है आजमाइश

टी20 विश्व कप जीतने के बाद से भारतीय टीम ने पारी की शुरुआत के लिए अलग-अलग संयोजनों को आजमाया है। आईपीएल में अपने तूफानी प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले वैभव सूर्यवंशी को कम उम्र में ही भारतीय टीम में जगह मिली और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करते देखा गया। दूसरी ओर, संजू सैमसन भी अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर चुके हैं। यानी टीम इंडिया अभिषेक-वैभव और अभिषेक-संजू, दोनों संयोजनों को परख चुकी है। ऐसे में संजू की वापसी के बाद अब एक तीसरा विकल्प सामने आ गया है–संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी।

संजू-वैभव की जोड़ी पर क्यों टिकी नजरें?

खास बात यह है कि भारत के लिए अब तक संजू और वैभव ने साथ मिलकर पारी की शुरुआत नहीं की है। यही वजह है कि अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में इस जोड़ी को मौका मिलना क्रिकेट प्रशंसकों के लिए खासा दिलचस्प हो सकता है। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने भी इस संभावना की ओर इशारा किया है। उनका मानना है कि जब अभिषेक-वैभव और अभिषेक-संजू की जोड़ी को देखा जा चुका है, तो संजू और वैभव को साथ आजमाने में भी कोई नुकसान नहीं है। दासगुप्ता ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अभी तक संजू-वैभव का संयोजन देखने को नहीं मिला है। ऐसे में यह देखना भी दिलचस्प होगा कि दोनों मिलकर किस तरह की शुरुआत दे सकते हैं।

अनुभव-आक्रामकता का अनोखा मेल

अगर संजू और वैभव को साथ ओपनिंग के लिए भेजा जाता है तो यह अनुभव और युवा आक्रामकता का अनोखा मेल होगा। संजू सैमसन लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बना चुके हैं और टी20 प्रारूप में बड़े शॉट लगाने की क्षमता रखते हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी बेहद कम उम्र में भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित युवा चेहरों में शामिल हो चुके हैं। महज 15 साल की उम्र में सीनियर टीम तक पहुंचने वाले वैभव का बल्लेबाजी अंदाज बेखौफ है। वह शुरुआत से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में दोनों अगर साथ उतरते हैं तो पावरप्ले में भारत को तेज शुरुआत दिलाने वाली जोड़ी साबित हो सकती है। संजू का अनुभव वैभव के आक्रामक अंदाज को मजबूती दे सकता है।

तीन मुकाबले, तीन अलग प्रयोगों की संभावना

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत को तीन टी20 मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के पास अलग-अलग संयोजनों को परखने का मौका भी होगा। एक मैच में अभिषेक-वैभव, दूसरे में अभिषेक-संजू और किसी मुकाबले में संजू-वैभव की जोड़ी को आजमाया जा सकता है। फिलहाल इतना तय है कि संजू सैमसन की वापसी ने भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर की तस्वीर को फिर दिलचस्प बना दिया है। अभिषेक-वैभव और अभिषेक-संजू की जोड़ी के बाद अब संजू-वैभव का विकल्प चर्चा में है। अगर यह जोड़ी मैदान पर उतरती है, तो भारत के पास अनुभव और युवा जोश से लैस एक बेहद आक्रामक ओपनिंग संयोजन देखने को मिल सकता है।

नकवी पर नासिर हुसैन का करारा हमला

पाकिस्तान क्रिकेट को बोर्ड ने बना दिया 'तमाशा'!

लंदन एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरा लगातार विवादों और मुश्किलों से घिरता जा रहा है। मैदान पर खराब प्रदर्शन के बाद अब टीम को लेकर लिए जा रहे फैसलों पर भी सवाल उठने लगे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और मशहूर क्रिकेट विशेषज्ञ नासिर हुसैन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और उसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी के फैसलों पर जमकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट पहले ही खराब दौर से गुजर रहा था, लेकिन बोर्ड ने स्थिति संभालने के बजाय उसे और हास्यास्पद बना दिया।इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान को हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पांच मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान 0-2 से पिछड़ गया है। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा मुकाबला 9 सितंबर से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम में बड़ा बदलाव करते हुए सात खिलाड़ियों और दो प्रशिक्षकों को इंग्लैंड से वापस भेजने का फैसला किया है।

बोर्ड के फैसले के तहत मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आगा और इमाम-उल-हक जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया। इसके अलावा प्रशिक्षक सरफराज अहमद की जगह बर्मिंघम में होने वाले तीसरे मुकाबले के लिए माइक हेसन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन फैसलों ने पाकिस्तान क्रिकेट में चल रही उथल-पुथल को और बढ़ा दिया है। नासिर हुसैन के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की हार से वह पहले ही निराश थे, लेकिन बोर्ड की प्रतिक्रिया ने उन्हें और ज्यादा हैरान किया।

नासिर हुसैन ने कहा कि हेडिंग्ले के बाद पाकिस्तान की स्थिति खराब जरूर थी, लेकिन दुनिया उसका मजाक नहीं उड़ा रही थी। उनकी नाराजगी लॉर्ड्स में पाकिस्तान के प्रदर्शन को लेकर थी, जहां टीम मुकाबले में वापसी के लिए पर्याप्त संघर्ष करती नजर नहीं आई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जैसी महान क्रिकेट खेलने वाली टीम की मौजूदा स्थिति देखकर उन्हें निराशा होती है। लेकिन बोर्ड ने जिस तरह पूरे मामले को संभाला, उससे स्थिति और बिगड़ गई। नासिर हुसैन ने तीखे अंदाज में कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हालिया फैसलों ने पाकिस्तान को 'हंसी का पात्र' बना दिया है। उनके मुताबिक बोर्ड ने समस्या का समाधान करने के बजाय उसे और गंभीर कर दिया।

इमाम-उल-हक विवाद पर भी बोर्ड घिरा

नासिर हुसैन ने सबसे ज्यादा सवाल इमाम-उल-हक के मामले में उठाए। लॉर्ड्स मुकाबले के पहले दिन इमाम की पिंडली में खिंचाव आ गया था। चोट के कारण वह मुकाबले की दोनों पारियों में बल्लेबाजी नहीं कर सके। हालांकि चौथे दिन उन्हें अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते देखा गया, जिसके बाद उनकी चोट को लेकर सवाल उठने लगे। इसी मामले में पाकिस्तान के उच्च प्रदर्शन निदेशक आकिब जावेद ने सीधे प्रसारण के दौरान इमाम की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े कर दिए। जावेद की सार्वजनिक टिप्पणी के बाद विवाद और बढ़ गया।

यूएस ओपन: रायबाकिना तीसरे दौर में कोको गॉफ भी आगे बढ़ने में रहीं सफल

न्यूयार्क, एजेंसी

कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना और अमेरिका की कोको गॉफ ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। रायबाकिना ने जेसिका बौजास मानेरो को, जबकि गॉफ ने पाउला बडोसा को हराकर तीसरे राउंड में प्रवेश किया। जीत के साथ ही रायबाकिना और गॉफ नंबर 1 रैंक के और करीब पहुंच गई हैं। रायबाकिना ने मानेरो को हराया

रायबाकिना ने जेसिका बौजास मानेरो को सीधे सेटों में हराते हुए तीसरे राउंड में जगह बनाई। दूसरे सेट में 5-3 पर मैच सर्व करने में नाकाम रहने और टूर्नामेंट का उनका पहला सर्विस गेम गंवाने के बावजूद रायबाकिना ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में अपने चौथे ब्रेक के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की। पिछले यूएस ओपन में चौथे राउंड तक पहुंची रायबाकिना का इस बार तीसरा राउंड में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा से मुकाबला होगा। दोनों की मुलाकात फ्रेंच ओपन के दूसरे राउंड में हुई थी, जिसे स्टारोडुबत्सेवा ने जीता था।

सेमीफाइनल में पहुंचते ही शीर्ष पर आ जाएंगी गॉफ

कोको गॉफ भी तीसरे राउंड में पहुंचने के साथ दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने के करीब आ गई हैं। उन्हें इसके लिए कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचना होगा। गॉफ ने दूसरे राउंड के लिए हुए मुकाबले में स्पेन की पाउला बडोसा को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई। गॉफ ने बडोसा को दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 7-6 (7/5) से हराकर एक और स्पेनिश खिलाड़ी क्रिस्टीना बुक्सा से मुकाबला किया। 22 साल की अमेरिकी स्टार, जो अपनी 2023 यूएस ओपन जीत को दोहराने की कोशिश कर रही हैं, बडोसा के साथ अपने पिछले आठ मुकाबलों में से पांच हार चुकी थीं। लेकिन, गॉफ ने आर्थर ऐश स्टेडियम के शाम के सेशन में आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया और शानदार तरीके से मैच जीता।

एशिया कप 2026: भारत-पाकिस्तान महामुकाबला आज

बेटियों की नजर जीत पर, पाक पर बाहर होने का खतरा

दुबई, एजेंसी

एशिया कप में अब वह मुकाबला सामने है, जिसका क्रिकेट प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। शनिवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला उसके लिए सिर्फ औपचारिकता नहीं होगा। दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता मैदान पर हर गेंद को खास बना देती है। दूसरी ओर पाकिस्तान के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है, क्योंकि हार उसकी सेमीफाइनल की राह बेहद मुश्किल कर सकती है।

भारतीय टीम इस मुकाबले में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार के रूप में उतरेगी। टीम ने शुरुआती दोनों मैचों में दमदार प्रदर्शन किया है और बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी तक अपनी ताकत दिखाई है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत भी साफ नजर आई है। एशियाई स्तर पर भारतीय महिला टीम का दबदबा ऐसा है कि फिलहाल उसके आसपास चुनौती पेश करने वाली टीम कम ही दिखाई देती है।

पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम रखी हैं। ऐसे में भारत के खिलाफ एक और हार उसके लिए भारी पड़ सकती है। पाकिस्तान को इस मुकाबले में न सिर्फ जीत की जरूरत है, बल्कि अपने प्रदर्शन में भी बड़ा सुधार करना होगा।

मंधाना-शेफाली के बल्ले से बरस रहा कहर

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी सलामी जोड़ी है। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं। उनके बल्ले से निकली बड़ी पारी ने बाकी टीमों को भी भारतीय बल्लेबाजी की ताकत का अहसास करा दिया है। दुबई की पिच पर हालांकि बल्लेबाजों के लिए शुरुआत आसान नहीं रही है। पिच की गति और उछाल को समझने में बल्लेबाजों को शुरुआती कुछ गेंदों पर समय लग रहा है। मंधाना और शेफाली ने भी पिछले मुकाबले में धैर्य के साथ परिस्थितियों को समझा और फिर आक्रमण का रुख अपनाया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अश्मेता बोलीं- फिल्म हो, धारावाहिक या वेब सीरीज-अभिनय में मेहनत के पैमाने अलग नहीं

मुंबई। अभिनेत्री अश्मिता बख्शी इन दिनों धारावाहिक '108 बेस हॉस्पिटल-उरी' को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय की दुनिया में अब तक के सफर को वह उतार-चढ़ाव से भरा अनुभव मानती हैं। अभिनेत्री का कहना है कि किसी भी क्षेत्र में काम करते हुए सफलता और असफलता का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन एक कलाकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वह हर अवसर पर अपनी प्रतिभा को पूरी ईमानदारी से सामने रखे।

अश्मिता ने अपने अभिनय सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक कई तरह के किरदार निभाए हैं। अलग-अलग भूमिकाओं को जीने का अवसर मिलने को वह अपने लिए सौभाग्य मानती हैं। उनके मुताबिक, हर नया किरदार कलाकार को कुछ नया सीखने और खुद को अलग तरीके से साबित करने का मौका देता है।

फिल्म, वेब सीरीज और धारावाहिक में काम करने के अनुभव को लेकर पूछे गए सवाल पर अश्मिता ने साफ कहा कि माध्यम अलग हो सकता है, लेकिन कलाकार के लिए मूल काम अभिनय ही रहता है। उनके अनुसार किसी फिल्म में काम करते समय कलाकार ज्यादा मेहनत करे और धारावाहिक में कम, ऐसा नहीं होता। अभिनेत्री के मुताबिक कलाकार के सामने जो कहानी और संवाद रखे जाते हैं, उनका उद्देश्य उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार सबसे बेहतर तरीके से प्रस्तुत करना होता है। वह मानती हैं कि फिल्मों, वेब सीरीज और धारावाहिकों के निर्माण में अंतर जरूर होता है। यह अंतर कहानी लिखने के तरीके, संवादों और प्रस्तुति में दिखाई देता है, लेकिन कलाकार के लिए हर परियोजना एक समान जिम्मेदारी लेकर आती है।

हर भूमिका को मानती हैं नई चुनौती

अश्मिता का कहना है कि वह अभिनेत्री के तौर पर किसी भी परियोजना को छोटा या बड़ा नहीं मानतीं। फिल्म हो, धारावाहिक हो या वेब सीरीज, उनका प्रयास हर जगह अपने किरदार के साथ न्याय करने और दर्शकों को बेहतर अभिनय देने का रहता है। अलग-अलग माध्यमों में काम करने से उन्हें विविध भूमिकाएं निभाने और अपनी अभिनय क्षमता को निखारने का अवसर मिला है। '108 बेस हॉस्पिटल-उरी' में अश्मिता बख्शी सैन्य मेजर और नर्स अनीता सोलंकी की भूमिका निभा रही हैं। उनका किरदार युद्ध और संघर्ष वाले क्षेत्रों में तैनात सैन्य चिकित्सकों तथा चिकित्सा दल का हिस्सा है। इस धारावाहिक में स्मिता बंसल भी नर्स की भूमिका में नजर आ रही हैं।

द ट्रेटर्स 2 की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज, बोलीं- ज्यादा सफाई देती तो पकड़ी जाती

मुंबई। द ट्रेटर्स सीजन 2 में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में ट्रेटर्स की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ट्रेटर होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।÷

क्रिस्टल के कहा, इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई। जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। शक के घेरे के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे।

मेट्रो बाजार

सेल की बिक्री अगस्त में 13% बढ़ी, उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने कहा कि उसकी बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1.87 मिलियन टन हो गई है। इस दौरान होट मेटल, क्रूड स्टील और बिकने योग्य स्टील का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा है।

सरकारी कंपनी ने कहा कि बीते महीने कच्ची स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 1.68 मिलियन टन हो गया है, जो कि बीते वर्ष 1.55 मिलियन टन था। वहीं, होट मेटल का उत्पादन सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 1.78 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले 1.63 मिलियन टन था। बिक्री योग्य स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 1.69 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले 1.66 मिलियन टन था। सेल ने बताया कि अगस्त में उसकी कुल बिक्री 1.871 मिलियन टन रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1.654 मिलियन टन थी, जो कि बिक्री में सालाना आधार पर 13.11 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सेल चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ए.के. पांडा ने कहा, ÷अगस्त और अप्रैल-अगस्त की अवधि में सेल का प्रदर्शन कंपनी की ऑपरेशनल क्षमता, कमर्शियल डिलीवरी और वित्तीय समझदारी के बीच बढ़ते तालमेल को दिखाता है।

पांडा ने कहा कि कंपनी के रिकॉर्ड प्रोडक्शन, बिक्री की रफ्तार और फाइनेंशियल मैनेजमेंट ने इसके आधार को मजबूत किया है। साथ ही, जैसे-जैसे विस्तार प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहे हैं और मांग का आउटलुक सकारात्मक बना हुआ है, सेल विकास की गति बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

टाटा मोटर्स: इवेको के अधिग्रहण का प्रस्ताव मंजूर, 7 सितंबर से खुलेगी शेयर स्वीकृति अवधि

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के इवेको ग्रुप एनवी के अधिग्रहण प्रस्ताव को इटली के बाजार नियामक कॉनसोब से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार, 4 सितंबर, 2026 को यह जानकारी दी। यह मंजूरी टाटा मोटर्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह स्वैच्छिक निविदा प्रस्ताव इवेको के सभी सामान्य शेयरों के अधिग्रहण के लिए है। टाटा मोटर्स की अप्रत्यक्ष सहायक कंपनी टीएमएल सीवी होल्डिंग्स बीवी ने इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया है। कॉनसोब ने 3 सितंबर, 2026 को प्रस्ताव दस्तावेज को मंजूरी दी थी। इस नियामक फाइलिंग में स्वीकृति अवधि की घोषणा की गई है।

इवेको के शेयरधारकों के लिए शेयर स्वीकृति अवधि 7 सितंबर, 2026 से शुरू होगी। यह अवधि 26 अक्तूबर, 2026 को बंद हो जाएगी, जब तक कि इसे बढ़ाया न जाए। टाटा मोटर्स इवेको ग्रुप के प्रत्येक सामान्य शेयर के लिए 14.10 यूरो का भुगतान करेगी। इस राशि में लाभांश भी शामिल होगा। जिन शेयरधारकों ने स्वीकृति अवधि के दौरान अपने शेयर प्रस्तुत किए हैं, उन्हें 30 अक्तूबर, 2026 को भुगतान किया जाएगा। यह भुगतान तभी होगा जब प्रस्ताव अवधि को आगे न बढ़ाया जाए।

यदि कानूनी शर्तें पूरी होती हैं, तो स्वीकृति अवधि फिर से खुल सकती है। यह पांच कारोबारी दिनों के लिए, 2 नवंबर से 6 नवंबर, 2026 तक फिर से खुलेगी। इस दूसरी अवधि में प्रस्तुत किए गए शेयरों का भुगतान 13 नवंबर, 2026 को निर्धारित है। प्रस्ताव दस्तावेज में प्रस्ताव की विस्तृत शर्तें और इसे स्वीकार करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि इसे बाद की प्रेस विज्ञप्ति में निर्दिष्ट तौर-तरीकों के माध्यम से प्रकाशित और प्रसारित किया जाएगा। यह प्रस्ताव इटली में खुलेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका में शेयरधारकों तक बढ़ाया जाएगा।

अंटार्कटिका के ग्लेशियर से बहता है 'खून' जैसा झरना

बेलमोपान. एजेंसी। अंटार्कटिका की बर्फीली दुनिया में मौजूद ब्लड फॉल्स आज भी लोगों के लिए रहस्य और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। टेलर ग्लेशियर से निकलकर लेक बोनी में गिरने वाली यह धारा अपने गहरे लाल रंग के कारण किसी खून के झरने जैसी दिखाई देती है। बर्फ से ढके सफेद परिदृश्य के बीच इसका लाल रंग बेहद डरावना और अनोखा नजर आता है। इस प्राकृतिक अजूबे की खोज वर्ष 1911 में ऑस्ट्रेलियाई भूविज्ञानी थॉमस ग्रिफिथ टेलर ने टेलर वैली की खोज के दौरान की थी। उस समय लाल रंग के पानी ने वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं को हैरान कर दिया था। इसके बाद दशकों तक वैज्ञानिकों ने यह पता लगाने की कोशिश की कि पानी का रंग लाल क्यों है और यह पानी ग्लेशियर से आखिर आता कहां से है। आज भी ब्लड फॉल्स अंटार्कटिका के सबसे रहस्यमय प्राकृतिक स्थलों में गिना जाता है।

न्यूज विंडो

अंकित हत्याकांड: इंस्टाग्राम पर धमकी- 'दो और कत्ल होंगे...

शामली. गायक अंकित बालियान हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर एक लाख रुपये के इनामी शार्प शूटर सत्यम के नाम से बनाए गए इंस्टाग्राम अकाउंट कैडी 4 सत्यम पर फिर से धमकी भरी पोस्ट डाली गई है। इसमें लिखा है, जिस दिन हमारा माथा चटकेगा, उस दिन जिंदगी हिल जाएगी'। घर के बाहर 400 गोलियां चलाने की धमकी दी है। आगे लिखा-डरते नहीं हैं किसी से। पोस्ट में सत्यम के नाम से लिखा गया है कि अखबार ने उसे गुंडा कहा है, लेकिन वह गुंडा नहीं है। पोस्ट में मन्या सुर्वे का भी जिक्र किया है। एक अन्य पोस्ट में लिखा गया-हम तो कबूल कर रहे हैं, टेंशन ना लो। एसपी ने बताया कि पोस्ट की जांच की जा रही है।

ठाणे: अस्पताल में मरीज के खाने में कॉकरोच, एफडीए ने बंद कराई कैंटीन

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में मरीज के खाने में काकरोच मिलने के बाद महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने अस्पताल की कैंटीन को बंद करा दिया है। इस सरकारी अस्पताल में आंखों की सर्जरी के लिए भर्ती मरीज ने 28 अगस्त को शिकायत की थी। अस्पताल की लापरवाही पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने डीन के दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद एफडीए अधिकारियों ने अस्पताल की रसोई की जांच की और खाद्य सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघनों पर कैंटीन की सेवाएं सस्पेंड कर दीं। कैंटीन ठेकेदार 'राम कैटरर्स' पर कार्रवाई भी शुरू की है। डीन डॉ. स्वप्नाली कदम ने कहा, जांच पूरी होने और एफडीए से मंजूरी नहीं मिलने तक कैंटीन बंद रहेगी। डॉ. कदम ने कहा कि मरीजों के लिए खाने का वैकल्पिक इंतजाम किया गया है।

असम: 1.4 करोड़ की याबा टैबलेट व म्यांमार की सिगरेट जब्त, 7 धराए

गुवाहाटी। असम में अलग-अलग अभियानों के दौरान 1.4 करोड़ रुपए की याबा टैबलेट और 1.2 लाख से अधिक म्यांमार की सिगरेट के साथ 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया याबा टैबलेट्स श्रीभूमि जिले में जब्त की गई, तस्करी की गई सिगरेट कछार जिले में जब्त की गई। याबा टैबलेट मादक पदार्थ होता है। इस पर भारत में प्रतिबंध है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, पुलिस ने दो वाहनों को रोका। इनमें 14 हजार याबा टैबलेट्स ले जाई जा रही थीं। इसे जब्त किया गया है। इनकी कीमत 1.4 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी इंटरनेट मीडिया पोस्ट में बताया कि कछार जिले में एक और अभियान चलाया गया। पुलिस ने असम-मेघालय सीमा पर डिगोर्कहाल चेक पोस्ट पर एक वाहन को रोका और छिपाई गई 1,20,000 बर्मीज सिगरेटें जब्त कीं। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बोले- पुलिस की निष्पक्षता और तटस्थता बनाए रखना जरूरी

प्रदर्शनकारियों पर लाठी बरसाते युवा IPS अफसरों को देखना दुखद: जस्टिस भुइयां

नई दिल्ली, एजेंसी

जंतर-मंतर पर नीट छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि युवा आईपीएस अधिकारियों को खुद प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करते और उन्हें पीटते देखना बेहद दुखद है। पुलिस से जिस निष्पक्षता और तटस्थता की उम्मीद की जाती है, वह कहीं न कहीं कमजोर होती दिख रही है।

रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद की किताब पुलिसिंग द रिपब्लिक के विमोचन कार्यक्रम में जस्टिस भुइयां ने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग के लिए अत्यधिक बल प्रयोग या मानवाधिकारों का उल्लंघन जरूरी नहीं है। आम नागरिक के लिए सड़क पर सीटी और लाठी लिए पुलिसकर्मी राज्य की शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए पुलिस की विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी अधिकारी ही कानून तोड़ने लगें तो इससे कानून के प्रति सम्मान कम होगा और अराजकता को बढ़ावा मिलेगा। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन और संसद मार्च में कथित अत्यधिक बल प्रयोग की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पैनल बनाया है। पैनल लाठीचार्ज, आंसू गैस और अन्य आरोपों की जांच करेगा।

पुलिसकर्मी आम नागरिक के लिए राज्य की शक्ति का चेहरा

जस्टिस भुइयां ने कहा कि आम लोगों के लिए सड़क पर सीटी और लाठी लिए खड़ा पुलिसकर्मी केवल एक अधिकारी नहीं, बल्कि राज्य की शक्ति और अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में जब किसी नागरिक को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, तो वह मदद के लिए पुलिस की ओर देखता है। इसलिए पुलिस बल के लिए अपनी विश्वसनीयता और निष्पक्षता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग प्रभावी बनाने के लिए अत्यधिक बल प्रयोग आवश्यक नहीं है। पुलिस अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए नागरिकों के अधिकारों और मानवीय गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए। उनके मुताबिक, पुलिस की कार्रवाई में तटस्थता और संयम लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के भरोसे की बुनियाद हैं।

लाठीचार्ज से लेकर वीडियो फुटेज तक, पैनल करेगा जांच

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को छात्र प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस पर अत्यधिक बल प्रयोग के आरोप लगे थे। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद अदालत ने इसकी जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय पैनल गठित किया। पैनल पुलिस कार्रवाई से जुड़े विभिन्न आरोपों की जांच करेगा। इसमें लाठीचार्ज, आंसू गैस और पेलेट गन के इस्तेमाल के अलावा इलेक्ट्रॉनिक बैटन के प्रयोग की शिकायतें भी शामिल हैं। महिला प्रदर्शनकारियों के कथित लक्षित उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की शिकायतों की भी जांच होगी। पैनल घटना से जुड़े सीसीटीवी और अन्य वीडियो फुटेज की समीक्षा कर कार्रवाई के पूरे घटनाक्रम को समझेगा। जस्टिस भुइयां ने हिरासत में होने वाली यातना और मौतों पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी सभ्य और कानून के शासन वाले समाज में हिरासत में मौत बेहद गंभीर अपराधों में शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किए जाने के बाद भी उसके मौलिक अधिकार खत्म नहीं हो जाते। सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे कानून का पालन करें और हिरासत में रखे गए व्यक्ति के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करें।

इंजीनियर को सुप्रीम राहत

फर्जी एसटी सर्टिफिकेट पर 30 साल नौकरी, फिर भी मिलेगी पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी अनुसूचित जनजाति (एससी) प्रमाण पत्र के आधार पर बृहन्मुंबई नगर निगम में जूनियर सिविल इंजीनियर की नौकरी पाने वाले एक कर्मचारी को बड़ी राहत दी है। एसटी कोटे से नौकरी पाने वाला इंजीनियर शिरीष पी पाटिल एक दशक तक पात्रता की जांच को टालता रहा। हालांकि, जांच समिति और हाई कोर्ट द्वारा प्रमाण पत्र अमान्य घोषित किए जाने के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने शिरीष पी पाटिल को सभी सेवानिवृत्ति लाभों के साथ रिटायर होने की अनुमति दे दी है।

मामला 1984 का है, जब पाटिल ने खुद को 'टोकरे कोली' (एससी) बता प्रमाण पत्र लिया। इसी के जरिए 1994 में उनकी नियुक्ति जूनियर सिविल इंजीनियर के पद पर हुई थी। बाद में मूल प्रमाण पत्र खोने का दावा कर उन्होंने वर्ष 2000 में भुसावल के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट से नया प्रमाण पत्र भी बनवा लिया। बाद में जांच में पता चला कि पाटिल के पूर्वज 'कोली', 'हिंदू कोली' और 'हिंदू सूर्यवंशी कोली' श्रेणी में दर्ज था, जो एससी में नहीं आते। जुलाई 2009 में नोटिस जारी किया। 2020 में जांच समिति ने उनका सर्टिफिकेट रद्द कर दिया। इसे बाद में हाईकोर्ट ने सही ठहराया।

सहारनपुर में मस्जिद जमींदोज सांसद इकरा हाउस अरेस्ट

दोपहर मेट्रो

सहारनपुर। जिला कोर्ट का फैसला आने के बाद कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद को शनिवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है। अप्रिय घटना की आशंका पर शहर में जगह-जगह भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि रात में यह अफवाह भी फैली थी कि मस्जिद धवस्त किया जा रहा है। इसके बाद पार्षदों और सांसद इमरान मसूद ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी बात रखी। कैराना की सांसद इकरा हसन को उनके घर पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। मस्जिद को अवैध बताते हुए बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मार्च -2025 में शिकायत की थी। परिसर के व्यावसायिक उपयोग का भी आरोप लगाया गया था। इसे कलेक्ट्रेट की सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। सिटी मजिस्ट्रेट कोर्ट में डेढ़ वर्ष से यह मामला चल रहा था। जुलाई में कोर्ट ने मस्जिद को अवैध माना था। इसके बाद जिला कोर्ट ने 3 दिन पहले दिए आदेश में सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को सही माना था। कोर्ट के फैसले के बाद कार्रवाई की गई।

पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

मोदी ने पूछा- पब्लिक से कैसे बात करें, टिप्स दें: महिला टीचर का जवाब- कॉन्फिडेंस चाहिए

नई दिल्ली. एजेंसी। पीएम मोदी ने आज टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा। पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 48 स्कूल टीचर्स को राष्ट्रीय पुरस्कार देंगी।

मेट्रो एंकर मैनुअल स्कैवेंजिंग पर कोर्ट सख्त, निजी-सार्वजनिक संस्थानों में भेदभाव वाला मुआवजा नियम रद्द

चांद पर पहुंचा भारत, फिर भी जाति के बंधन में समाज: बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

हाथ से मैला ढोने और खतरनाक सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सामाजिक भेदभाव पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि भारत भले ही चांद तक पहुंच गया हो, लेकिन समाज में जाति व्यवस्था की बुराई अब भी कायम है। यही सामाजिक व्यवस्था कुछ लोगों को ऐसा काम करने के लिए मजबूर करती है, जो मानवीय गरिमा के खिलाफ है। जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की उस नीति को रद्द कर दिया, जिसमें खतरनाक सफाई के दौरान जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा देने की जिम्मेदारी निजी सोसाइटियों और नियोक्ताओं पर डाली गई थी। अदालत ने कहा कि सरकार पहले पीड़ित परिवारों को मुआवजा दे और बाद में संबंधित निजी संस्था या नियोक्ता से राशि वसूल सकती है।

पीठ ने राज्य सरकार को छह महीने में ऐसे सभी मृतकों की पहचान करने का निर्देश दिया, जिनकी मौत 2013 के मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम के दायरे में आने वाली खतरनाक सफाई के दौरान हुई। प्रत्येक मृतक के आश्रित को 30 लाख रुपए मुआवजा देना होगा। अदालत ने सरकारी नीति के संबंधित प्रावधान को समानता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना।

21वीं सदी में भी सामाजिक कुप्रथा पर सवाल

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान देश की तकनीकी और अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ सामाजिक वास्तविकता का भी जिक्र किया। पीठ ने कहा कि भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियों का दावा करता है और चांद तक पहुंच चुका है, लेकिन दूसरी ओर समाज में जातिगत भेदभाव और पुरानी सामाजिक कुप्रथाएं अब भी मौजूद हैं। अदालत के मुताबिक, यही परिस्थितियां कुछ लोगों को ऐसा काम करने के लिए मजबूर करती हैं, जो उनकी मानवीय गरिमा के खिलाफ है। पीठ ने हाथ से मैला ढोने और खतरनाक सफाई जैसी प्रथाओं को खत्म करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि कानून का लाभ पीड़ितों तक पहुंचाने में किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

निजी संस्था पर जिम्मेदारी डालकर नहीं बच सकती सरकार

अदालत ने साफ किया कि 2013 का मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम सार्वजनिक और निजी नियोक्ताओं के आधार पर श्रमिकों के बीच भेदभाव नहीं करता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की उस नीति को खारिज किया, जिसमें निजी संस्थाओं और नियोक्ताओं को मुआवजे के भुगतान के लिए जिम्मेदार बनाया गया था। अदालत ने निर्देश दिया कि सरकार मृत श्रमिकों के आश्रितों को पहले 30 लाख रुपये का मुआवजा दे। इसके बाद सरकार चाहे तो संबंधित निजी संस्था या नियोक्ता से यह रकम वसूल सकती है। साथ ही छह महीने के भीतर खतरनाक सफाई में जान गंवाने वाले सभी पात्र व्यक्तियों की पहचान करनी होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524